twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शुक्रवार, 22 अगस्त, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 275, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

संविधान संशोधन विधेयक राज्यसभा में भी पेश

विचार के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजे जाने का प्रस्ताव भी शाह ने रखा

नई दिल्ली। गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को गंभीर आपराधिक मामलों में 30 से अधिक दिन की हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को पद से हटाये जाने से जुड़े संविधान के 130वें संशोधन विधेयक सहित तीन विधेयकों को राज्यसभा में पेश किया। अमित शाह ने कल इन्हें पहले लोकसभा में पेश किया था और आज राज्यसभा में पेश किया। विधेयकों को आगे विचार के लिए संसद की संयुक्त समिति को भेजे जाने का प्रस्ताव भी शाह ने रखा। सदन ने इसे मंजूरी प्रदान कर दी। संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य होंगे। समिति अगले सत्र के प्रथम सप्ताह के अंतिम दिन तक सदन को रिपोर्ट देगी। इन तीन विधेयकों में- संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025; केंद्रशासित प्रदेशों की सरकार (संशोधन) विधेयक, 2025 और जम्मू एवं कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक, 2025 शामिल हैं। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार भ्रष्टाचार और अन्य गंभीर मामलों में जेल में बंद प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को 30 दिन के बाद पद से हटाया जा सकता है। हालांकि रिहा होने पर वे दोबारा पदभार ग्रहण कर सकते हैं। विधेयक के उद्देश्य में कहा गया है कि ऐसा नैतिक उत्तरादायित्व सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। संविधान संशोधन विधेयक के अलावा अन्य दो विधेयक केन्द्रशासित प्रदेशों और जम्मू-कश्मीर में इस तरह के प्रावधानों से जुड़े हैं।

मामले में पुलिस की कार्रवाई

आरोपी की मां ने कहा कि 'कुछ दिन पहले वह हरिद्वार गया था। वहीं से हमें फोन किया और बताया कि वह दिल्ली जा रहा है ताकि कुत्तों के समर्थन में होने वाले विरोध-प्रदर्शन में हिस्सा ले सके। उसने इतना ही कहा कि वह लौटकर आ जाएगा। हमें और कुछ पता नहीं।' दिल्ली पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि यह स्पष्ट हो सके कि हमला पहले से योजनाबद्ध था या अचानक किया गया। वहीं, राजेश की मां लगातार यही दोहरा रही हैं कि उनके बेटे का इरादा किसी को नुकसान पहुंचाने का नहीं था, बल्कि वह सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के आदेश से व्यथित होकर प्रदर्शन में शामिल होने गया था। कथित तौर पर राजेश खिमजी को 19 अगस्त को दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के शालीमार बाग स्थित आवास की रेकी करते हुए देखा जा रहा है।

एनएचआरसी ने कानपुर मेडिकल कॉलेज में रोगी की मृत्यु पर जारी किया नोटिस

नई दिल्ली । राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने उत्तर प्रदेश के कानपुर मेडिकल कॉलेज में उचित इलाज के अभाव में 25 वर्षीय एक रोगी की मृत्यु का स्वतः संज्ञान लेते हुए मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने मीडिया रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए यह रिपोर्ट तलब की है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि अस्पताल और पुलिसकर्मियों के कथित कुप्रबंधन के कारण 9 अगस्त को कानपुर मेडिकल कॉलेज में उचित इलाज के अभाव में 25 वर्षीय एक रोगी की मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि दो लोगों ने रोगी को गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया और चले गए। रोगी भर्ती करते समय बेहोशी की हालत में था। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने उसे दूसरे अस्पताल भेजने के लिए कहा था, लेकिन रोगी के साथ किसी व्यक्ति के ना होने पर स्थानीय पुलिस स्टेशन को संदेश भेजकर उसके साथ एक गार्ड भेजने को कहा गया। पुलिस लगभग 6-7 घंटे तक अस्पताल नहीं पहुंची और इसी दौरान रोगी की मृत्यु हो गई। रोगी का शव कई घंटों तक वार्ड में पड़ा रहा। जिसके बाद दुर्गंध आने पर दूसरे रोगियों को वहां से जाना पड़ा। इसके बाद शव को शवगृह में रख दिया गया। वहीं 11 अगस्त को प्रकाशित खबरों में पुलिस ने दावा किया कि रोगी को ले जाने के लिए एक गार्ड को अस्पताल भेजा गया था, लेकिन एम्बुलेंस उपलब्ध न होने के कारण उसे रेफरल सुविधा तक नहीं पहुंचाया जा सका।

लखपति दीदियों की असाधारण उपलब्धियां: शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि लखपति दीदियों की असाधारण उपलब्धियां, ग्रामीण सड़कें और आवास ने लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव किया है।

शिवराज ने गुरुवार को यहां के पूसा में वृहदकर्मचारी संकल्प सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में हरेक दिन, हर क्षण महत्वपूर्ण है और अपनी जनता की जिंदगी को बेहतर बनाने में सभी अपना-अपना योगदान दें। हमारा काम राष्ट्र निर्माण का, सभी इस भावना से काम करें कि आत्मनिर्भर भारत बनाने में एक ईंट मेरी भी लगेगी। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग, आईसीएआर और ग्रामीण विकास मंत्रालय की देश के विकास में अहम भूमिका है। आज अन्न के भंडार भरे हुए हैं, चुनौतियों का मुकाबला करते हुए हम दृढ़ निश्चय से और आगे बढ़ेंगे। हम सभी कृषि उत्पादों में पूरी मेहनत से किसानों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर आत्मनिर्भर हों।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस पर कहा- "सरकार फाइल में नहीं, जनता की लाइफ में दिखना चाहिए", हम इसी दिशा में संकल्पित होकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा नकली खाद-बीज व कीटनाशक के नाम पर किसान लुटते रहे और हम देखते रहे, अब ऐसा बिल्कुल नहीं होगा, बेइमानों को हम छोड़ेंगे नहीं।

शिवराज ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो लक्ष्य हमें दिए हैं, वे हम सब मिलकर पूरा करेंगे। प्रधानमंत्री के "स्वदेशी अपनाओ" के आह्वान पर शिवराज ने कृषि एवं ग्रामीण विकास के अधिकारियों-कर्मचारियों को दैनिक जीवन में स्वदेशी अपनाने का संकल्प दिलाया।

इस मौके पर कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्रालय के कर्मचारी-अधिकारी शामिल हुए।

राजनाथ सिंह से मिले अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, 'गगनयान मिशन' पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अंतरिक्ष स्टेशन पर ?पहुंचने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से गुरुवार को मुलाकात की और इसे भारत की मानव अंतरिक्ष यात्रा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर बताया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उनकी प्रेरणादायक उपलब्धि भारत के युवाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए प्रेरित करेगी, क्योंकि राष्ट्र गगनयान और अपने स्वयं के अंतरिक्ष स्टेशन की ओर अग्रसर है।

राजनाथ सिंह ने मुलाकात के बाद कहा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला से मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई। हमने उनको प्रेरणादायक अंतरिक्ष यात्रा, कक्षा में उनके किए गए महत्वपूर्ण प्रयोगों, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति और भारत के अग्रणी 'गगनयान मिशन' के भविष्य पर चर्चा की। उनकी यात्रा भारत के युवा मन को प्रेरित करेगी।

राष्ट्र को उनकी उपलब्धियों पर गर्व है। उन्होंने अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण और मिशन सहायता में भारतीय वायु सेना और इसरो के तालमेल की सराहना की और विश्वास व्यक्त किया कि उनकी प्रेरणादायक उपलब्धि भारत के युवाओं को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए प्रेरित करेगी, क्योंकि राष्ट्र गगनयान और अपने स्वयं के अंतरिक्ष स्टेशन की ओर अग्रसर है। राजनाथ सिंह ने तीन दिन पहले लोकसभा में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा पर चर्चा के दौरान विपक्ष के आचरण की आलोचना? करते हुए इसे बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निराशाजनक बताया?

अमेरिका में उड़ते विमान के पिछले पंख का हिस्सा टूटा, यात्री-चालक दल सुरक्षित

ऑरलैंडो। ऑरलैंडो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरने वाले डेल्टा एयरलाइंस के विमान के पिछले हिस्से का एक टुकड़ा टूटने से हड़कंप मच गया। बाद में विमान को सुरक्षित उतार किया गया।विमान में सवार 62 यात्री और चालक दल के छह सदस्य सकुशल हैं। संघीय उड्डयन प्रशासन इस घटना की जांच कर रहा है। सीएनएन की खबर के अनुसार मंगलवार को डेल्टा एयरलाइंस की उड़ान संख्या 1893 ने ऑरलैंडो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से ऑस्टिन-बर्गस्ट्रॉम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरी थी। अचानक विमान हिलने लगा, तब पता चला कि पंख के पिछले हिस्से का (पंख का फ्लैप) टुकड़ा आंशिक रूप से टूट गया है।

उपराष्ट्रपति चुनाव: इंडी गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने किया नामांकन

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में इंडी गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी ने गुरुवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी मौजूद रहे। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को नामांकन किया था। उपराष्ट्रपति का चुनाव 9 सितंबर को होना है। 21 अगस्त यानी आज नामांकन का आखिरी दिन है। वर्तमान में राजग का संख्यात्मक रूप से पलड़ा भारी है। दोनों सदनों की संयुक्त क्षमता 788 है, जिसमें एक लोकसभा और पांच राज्यसभा की सीटें रिक्त हैं। यानी दोनों सदनों की प्रभावी संख्या 782 है। राजग की स्थिति फिलहाल अच्छी है। वर्तमान में लोकसभा में 542 सदस्य हैं जिनमें 293 राजग के हैं। राज्यसभा की प्रभावी संख्या 240 है, जिसमें 129 सदस्य राजग के हैं।

लोकतंत्र में विपक्ष जरुरी लेकिन सरकार के काम में बाधा डालना अलोकतांत्रिक: किरेन रिजिजू

नई दिल्ली। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्ष का होना चाहिए। विरोध करना या असहमति जताना अपनी बात कहने का लोकतांत्रिक तरीका है, लेकिन संसद में सरकार के काम में बाधा डालना और उसे रोकना अलोकतांत्रिक है। देश और उच्चतम न्यायालय के खिलाफ बयान देकर, भारत के चुनाव आयोग को गाली देकर, आप संविधान को कमजोर कर रहे हैं। गुरुवार को संसद का मानसून सत्र अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद संसद परिसर में आयोजित प्रेसवार्ता में किरेन रिजिजू ने कहा कि सत्र के दौरान संसद के दोनों सदनों द्वारा कुल 15 विधेयक पारित किए गए। मानसून सत्र में कामकाज 100 प्रतिशत सफल रहा।

रिजिजू ने बुधवार को लोकसभा में गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश किए गए तीन विधेयकों के खिलाफ विपक्ष के विरोध प्रदर्शन की भी तीखी आलोचना की। इन विधेयकों में गंभीर आपराधिक आरोपों में लगातार 30 दिनों तक गिरफ्तार रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है।

उन्होंने कहा कि यह एक "क्रांतिकारी" प्रस्ताव है। कुछ दल खुद को बचाने के लिए कानून बनाते हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यालय को भी इस प्रस्तावित कानून के दायरे में लाने का फैसला किया, जो एक बड़ा फैसला है।कांग्रेस पार्टी इसका विरोध करके सदन को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। यह सरल विधेयक भी विपक्ष के समझ नहीं आ रहा है। अभी इस विधेयक पर एक संयुक्त संसदीय समिति का गठन होना है।

दोपहिया वाहनों के लिए कोई टोल नहीं, एनएचएआई ने फिर जारी किया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने स्पष्ट किया है कि देशभर के राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे पर स्थित टोल प्लाजा पर दोपहिया वाहनों से कोई उपयोगकर्ता शुल्क नहीं लिया जाता है।

यह स्पष्टीकरण टोल प्लाजा पर दोपहिया वाहनों से टोल वसूली के संबंध में सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही फर्जी खबरों के संदर्भ में आया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर उपयोगकर्ता शुल्क राष्ट्रीय राजमार्ग शुल्क (दरों और संग्रह का निर्धारण) नियम, 2008 के अनुसार वसूला जाता है।

दोपहिया वाहनों से टोल शुल्क लेने का कोई प्रस्ताव नहीं है। नियमों के अनुसार, टोल प्लाजा पर उपयोगकर्ता शुल्क चार या अधिक पहिया वाहनों से लिया जाता है, जिनमें कार, जीप, वैन या हल्के मोटर वाहन जैसी श्रेणियां शामिल हैं।

सीसीपीए ने भ्रामक विज्ञापनों के लिए रैपिडो पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली: केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने भ्रामक विज्ञापनों के लिए ऑनलाइन कंपनी रोपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड(रैपिडो) पर 10 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। मंत्रालय के मुताबिक इस तरह के विज्ञापन अक्सर झूठे, भ्रामक और उपभोक्ताओं के प्रति अनुचित होते हैं। नियामक ने रैपिडो को तत्काल प्रभाव से भ्रामक विज्ञापन बंद करने का भी निर्देश दिया है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक सीसीपीए ने उपभोक्ता अधिकारों के संरक्षण की दिशा में एक और कार्रवाई करते हुए रैपिडो को भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने और अनुचित व्यापार व्यवहार के लिए 10 लाख रुपये का जुमार्ना भरने का आदेश दिया है। सीसीपीए ने रैपिडो को उन ग्राहकों को बिना किसी देरी के पैसे वापस देने का निर्देश भी दिया है, जिन्होंने कंपनी के 'पांच मिनट में ऑटो या फिर पाएं 50 रुपये' ऑफर का इस्तेमाल किया था, लेकिन उन्हें यह राशि मिली नहीं।

राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) के आंकड़ों के अनुसार अप्रैल, 2023 से मई, 2024 के बीच रैपिडो के खिलाफ 575 शिकायतें और जून, 2024 से जुलाई, 2025 के बीच 1,224 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। पिछले दो वर्षों में एनसीएच को रैपिडो के खिलाफ उपभोक्ताओं की शिकायतों की संख्या में वृद्धि हुई है।

सीसीपीए ने उपभोक्ताओं से ऐसे विज्ञापनों के प्रति सतर्क रहने का आग्रह करते हुए कहा कि यदि भ्रामक विज्ञापनों या अनुचित व्यापार प्रथाओं से संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ता है, तो वे निम्न कार्रवाई कर सकते हैं।

राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (1915) पर कॉल करें और शिकायत दर्ज करने के लिए एनसीएच ऐप या वेबसाइट का उपयोग करें।

केंद्रीय मंत्री गडकरी 23 अगस्त को करेंगे मध्य प्रदेश के सबसे बड़े फ्लाईओवर का लोकार्पण

भोपाल। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी शनिवार, 23 अगस्त को जबलपुर में मध्य प्रदेश के सबसे बड़े और अत्यधुनिक फ्लाईओवर का लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहेंगे। यह आधारभूत संरचना परियोजना के उद्घाटन के साथ जबलपुर शहर को एक नए यातायात स्वरूप और महानगरीय पहचान देने वाला ऐतिहासिक क्षण होगा। मदनमहल से दमोह नाका तक निर्मित यह भव्य फ्लाईओवर आधुनिक शहरी यातायात व्यवस्था और विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने गुरुवार को बताया कि लगभग 1052 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 6.855 किलोमीटर लंबा यह एलिवेटेड कॉरिडोर न केवल मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा फ्लाईओवर है, बल्कि इसमें कई ऐसी विशेषताएं भी शामिल हैं जो इसे विशिष्ट पहचान देती हैं। इस फ्लाईओवर का सबसे बड़ा तकनीकी आकर्षण रेल मार्ग के ऊपर निर्मित 192 मीटर लंबा सिंगल स्पैन केबल स्टे ब्रिज है। इस परियोजना में कुल 3 बो-स्ट्रिंग ब्रिज भी शामिल किए गए हैं। इनमें से दो पुल रानीताल क्षेत्र में और एक पुल बलदेवबाग क्षेत्र में बनाया गया है। ये सभी पुल पूरी तरह स्टील से निर्मित हैं और प्रत्येक की लंबाई लगभग 70 मीटर है।

आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों से निर्मित यह संरचना न केवल जबलपुर बल्कि पूरे देश के लिए एक अद्वितीय और प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करती है। इस फ्लाईओवर निर्माण में पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखा गया है। इसके नीचे लगभग 50 हजार पौधों का रोपण किया गया है, जिससे शहर का हरित आवरण बढ़ेगा और प्रदूषण पर नियंत्रण में मदद मिलेगी। नागरिकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए फ्लाईओवर के नीचे ही बास्केटबॉल कोर्ट, ओपन जिम और बच्चों के लिए पार्क विकसित किए गए हैं। इससे यह केवल एक यातायात सुविधा न होकर एक सामुदायिक और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र भी बन जाएगा। इसके अतिरिक्त, यात्रियों की सुविधा के लिए 10 स्थानों पर दिशा सूचक बोर्ड भी लगाए गए हैं, जिससे आवागमन और सुगम तथा व्यवस्थित हो सकेगा।

यातायात की दृष्टि से यह फ्लाईओवर क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। जहां पहले मदनमहल से दमोह नाका तक पहुँचने में 40 से 45 मिनट का समय लगता था, अब फ्लाईओवर शुरू होने के बाद यह दूरी मात्र 6 से 8 मिनट में तय की जा सकेगी। इससे न केवल समय और ईंधन की बचत होगी, बल्कि शहर में प्रदूषण का स्तर भी घटेगा। व्यापारिक गतिविधियों को गति मिलेगी, नागरिकों की दैनिक जीवनशैली सरल होगी और जबलपुर एक नए यातायात मॉडल के रूप में देश के अन्य शहरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करेगा। यह परियोजना जबलपुर की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर के बीच आधुनिकता का संगम प्रस्तुत करती है। यह शहर की पहचान को महानगरीय स्वरूप देने में सहायक होगी।

साथ ही यह स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों के लिए बेहतर आवागमन और जीवनशैली सुनिश्चित करेगी।

बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में टेरर फंडिग मामले में पिता-पुत्र गिरफ्तार

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। उत्तर प्रदेश पुलिस ने 101 करोड़ के एक बड़े टेरर फंडिंग नेटवर्क का खुलासा करते हुए बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के घोड़ासहन निवासी पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। जिसमे गोलू कुमार और उसके पिता भूषण चौधरी शामिल है। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिला पुलिस के अनुसार, इन दोनों ने अपने बैंक खातों और क्रिप्टो वॉलेट्स के द्धारा 101 करोड़ 34 लाख से अधिक की रकम नेपाल और पाकिस्तान समेत कई देशों में भेजी है। सभी रकम को साइबर ठगी से जमा कर फिर क्रिप्टोकरेंसी के जरिए अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क को फंडिग करने में किया गया है। पुलिस के अनुसार यह गिरोह डिजिटल जनसेवा केंद्र की आड़ में धोखाधड़ी की पूरी घटना को अंजाम दे रहा था। आरोपी गोलू कुमार ने पूछताछ के दौरान बताया है,कि वह पूर्वी चम्पारण में साइबर कैफे चलाता था,जहां आने वाले लोगो के आधार कार्ड सहित अन्य जानकारी लेकर उसका उपयोग बैंक खातों में करता था। जांच यह सामने आया है,कि सर्वाधिक लेनदेन गोलू के खाते से की गई है,इसके साथ ही नेपाल के एक व भारत के पांच अन्य खातो से भी लेनदेन किया गया है। पूछताछ में घोड़ासहन का गोलू ने बताया कि उसने नेपाल के कुछ लोगों से बाइनेंस पर क्रिप्टो अकाउंट बनाना

सिखा। जिसके माध्यम से साइबर ठगी के जरिए अर्जित रुपये को क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर बाइनेंस के माध्यम से विदेश भेजना शुरू कर दिया। इसके बाद उसने अपने पिता भूषण चौधरी के नाम से भी आईडी बनाकर इस नेटवर्क का विस्तार किया। यह गिरोह चाइनीज लोनिंग ऐप्स के माध्यम से साइबर ठगी से अर्जित करोड़ों रुपयो को क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर पाकिस्तान सहित अन्य देशों को ट्रांसफर कर रहा था। बलरामपुर एसपी विकास कुमार के अनुसार इस पूरे नेटवर्क का सरगना बिहार के नवादा निवासी एक सस्पियर को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। जिसके बाद जांच एजेंसियों ने इनके अन्य सहयोगियों की तलाश कर रही थी। जांच के दौरान भूषण और गोलू के यूपीआई लेन-देन, डिजिटल ट्रांजैक्शन, और बाइनेंस वॉलेट्स की गतिविधियों पर शक हुआ, जिसके बाद इनकी गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने इनके पास से 5 मोबाइल फोन,1 लैपटॉप, 7 आधार कार्ड और बड़ी मात्रा नेपाली मुद्रा व अन्य सामान बरामद किया है।फिलहाल भूषण और गोलू से पूछताछ की जा रही है। इसके साथ ही एटीएस, एनआईए सहित अन्य सुरक्षा एजेंसियां इनके अंतरराष्ट्रीय सबंधो की जांच कर रही हैं। ऐसी संभावना जतायी जा रही है,कि इनके तार अफगानिस्तान और मिडिल ईस्ट के कुछ आतंकी संगठनों से भी जुड़े हो सकते हैं। जिसको लेकर इंटरपोल और एफएटीएफ (वित्तीय कार्रवाई कार्य बल) को भी सूचित किया गया है।

कर्नाटक धर्मस्थल विवाद: सीटी रवि का आरोप, नफरत फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही सरकार

एजेंसी

बेंगलुरु । कर्नाटक धर्मस्थल विवाद मामले में गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने विधानसभा में जवाब दिया। भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव और एमएलसी सी.टी. रवि ने मंगलवार को पलटवार करते हुए कहा कि मंत्री ने जवाब दिया, लेकिन सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। उन्होंने धर्मस्थल के बारे में नफरत फैलाने का आरोप दोहराया। धर्मस्थल विवाद मामले पर भाजपा एमएलसी सी.टी. रवि ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके कहा, 'गृहमंत्री ने विधानसभा में बयान दिया है, लेकिन एक्शन किया है क्या? सरकार ने कोई कार्रवाई की है क्या? यूट्यूब में नफरत फैलाई गई है, तो उसके खिलाफ एक्शन हुआ है क्या? अगर एक्शन नहीं किया है, तो इसके पीछे क्या कारण हैं? सरकार बताए कि किसकी वजह से वो एक्शन नहीं कर रहे हैं। अगर किसी का दबाव है, तो उसके बारे में बताए।' उन्होंने कहा, 'एक व्यक्ति की शिकायत के आधार पर उन्होंने जांच की

शुरुआत की। 17 जगहों पर खुदाई की, उस दौरान क्या मिला? रिपोर्ट आने से पहले कुछ यूट्यूबर्स ने धर्मस्थल के बारे में नफरत फैलाने का काम किया। धर्माधिकारी के परिवार के बारे में नफरत फैलाई और झूठा आरोप लगाया, उसके ऊपर क्या कार्रवाई हुई, सरकार इसे स्पष्ट करे।÷ बिहार में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मतदाता अधिकार यात्रा पर उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी की आदत हिट एंड रन करने की है; वही वो कर रहे हैं। अगर उनके पास सबूत और संविधान के ऊपर भरोसा होता तो अभी तक शिकायत कर दिया होता, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसका मतलब राहुल गांधी के पास सबूत नहीं है; वो सिर्फ झूठा आरोप लगाकर नैरेटिव फैलाने का काम कर रहे हैं। इसी नैरेटिव को फैलाने के लिए वो बिहार गए हैं।' सी.टी. रवि ने कहा, 'अगर वे चुनाव हारेंगे तो ईवीएम और चुनाव आयोग पर आरोप लगाएंगे। यह उनका पुराना इतिहास है। उनके पास रेडीमेड आरोप रहता है। बिहार में भी वे अपना रेडीमेड आरोप तैयार कर रहे हैं।'

राहुल गांधी 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान पहुंचे मनैनी गांव, किया संवाद

नवादा । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी अपनी वोटर अधिकार यात्रा के तीसरे दिन यानी मंगलवार को सड़क के किनारे स्थित एक गांव में पहुंच गए और वहां लोगों से संवाद किया और उनकी समस्याएं जानी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आज की यात्रा गयाजी से शुरू की। इस क्रम में गयाजी के वजीरगंज में जैसे ही उनकी यात्रा पहुंची, उन्होंने अपने काफिले को रोका और पास के एक गांव मनैनी पहुंच गए। उनके साथ राजद नेता तेजस्वी यादव के साथ महागठबंधन के प्रमुख नेता भी थे। इस क्रम में उन्होंने ग्रामीणों के साथ जनसंवाद किया और यहां की समस्याएं जानी। इस

दौरान उन्होंने वोट के अधिकार को लेकर भी लोगों को जागरूक किया। बताया गया कि मनैनी गांव को 2011 में मॉडल गांव घोषित किया गया था, लेकिन आज स्थिति बदतर है। सामान्य नागरिक सुविधाएं तक नदारद हैं। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी सोमवार की शाम अपनी यात्रा के क्रम में बिहार के गयाजी पहुंचे थे। शाम को उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए एसआईआर को लेकर भाजपा और चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया था। यहां लोगों को संबोधित करने के बाद रात्रि विश्राम किया। यात्रा के तीसरे दिन राहुल नवादा होते हुए शेखपुरा के बरबीघा पहुंचेंगे। यहां वे एक जनसभा को संबोधित करेंगे और एसकेआर कॉलेज मैदान में रात्रि विश्राम करेंगे।उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा 17 अगस्त को बिहार के सासाराम से शुरू हुई है। इस यात्रा में इंडिया ब्लॉक में शामिल घटक दलों के नेता भी शामिल हैं। 16 दिन की यह यात्रा लगभग 20 जिलों से होकर गुजरेगी और 1,300 किलोमीटर का पूरा सफर होगा। एक सितंबर को पटना में बड़ी रैली के साथ यात्रा का समापन होगा।

एनडीए की बैठक में उप राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का अभिनंदन

आज सुबह करेंगे नामांकन

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन का मंगलवार को सत्तारूढ़ दल के सांसदों की एक बैठक में अभिनंदन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के सहयोगी दलों के शीर्ष नेताओं ने राधाकृष्णन का अभिनंदन किया। राधाकृष्णन बुधवार सुबह 11 बजे अपना नामांकन दाखिल करेंगे। पार्लियामेंट्री लाइब्रेरी बिल्डिंग के जी.एम.सी. बालयोगी ऑडिटोरियम में मंगलवार को हुई संसदीय दल की बैठक में एनडीए के सभी लोकसभा और राज्यसभा सदस्य मौजूद रहे। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने मीडिया को बताया कि उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए उम्मीदवार सीपी

राधाकृष्णन का बैठक में परिचय कराया गया। एनडीए के फ्लोर लीडर्स, सांसदों ने सीपी राधाकृष्णन का गर्मजोशी से स्वागत किया, उन्हें बधाई दी। उन्होंने बताया कि एनडीए संसदीय दल की बैठक में उनका परिचय प्रधानमंत्री मोदी ने कराया। परिचय के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने अपील की है कि पूरी पार्टी और सभी दलों के सांसद एकजुट होकर उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एनडीए द्वारा तय किए गए उम्मीदवार का सर्वसम्मति से समर्थन करें। सीपी राधाकृष्णन उपराष्ट्रपति पद के लिए एक बहुत अच्छा नाम हैं। सभी ने इसे स्वीकार किया है। उनके जीवन में कोई विवाद नहीं, कोई भ्रष्टाचार नहीं, कोई दाग नहीं, उन्होंने बहुत ही सादा जीवन जीया है और केवल समाज और देश के लिए काम किया है। अगर ऐसा व्यक्ति देश का उपराष्ट्रपति बनता है, तो यह देश के लिए बहुत खुशी की बात होगी। उन्होंने बताया कि राजनाथ सिंह भी सभी से बात कर रहे हैं और हम चाहते हैं कि हम सब मिलकर उपराष्ट्रपति के चुनाव में राधाकृष्णन का सर्वसम्मति से समर्थन करें और यह लोकतंत्र के लिए, हमारे देश के लिए और राज्यसभा को चलाने में उपयोगी होगा। इससे पहले सोमवार शाम केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के आवास पर अहम बैठक हुई थी।

लोकतांत्रिक मूल्यों के तहत मतदाता सूची में 'एसआईआर' हो: प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली । शिवसेना (यूबीटी) की नेता एवं राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने मंगलवार को चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाए। उन्होंने लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) करवाने की बात कही। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, 'जिस तरह से एसआईआर की शुरुआत बिहार में हुई और मतदाता सूची से लोगों का नाम काटा गया, उसके बाद जिस भाषा में चुनाव आयोग बात कर रहा है, उससे साफ तौर पर दिख रहा है कि एसआईआर सही मायने में साफ रिकॉर्ड देने के लिए नहीं है, सिर्फ एक एजेंडा चलाने के लिए है।' ओडिशा में एसआईआर कराने के सवाल पर उन्होंने कहा, 'बिहार के बाद ओडिशा में एसआईआर लागू हो या फिर कहीं और हो, उम्मीद ये है कि अ-राजनैतिक, बिना पक्षपात किए, लोकतांत्रिक प्रक्रिया का इस्तेमाल करके इसकी कार्रवाई हो, न कि षड्यंत्र के तहत उन लोगों को हटा दिया जाए जिनकी आवाज नहीं है।' उन्होंने कहा, जिस तरीके से मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की है, उनका दायित्व है कि विपक्ष कोई सवाल पूछ रहा है तो उसका जवाब दे, न कि खुलकर उनके खिलाफ ऐसी भाषा का इस्तेमाल करें, जो सत्ता पक्ष के कार्यालय द्वारा दिया गया भाषण लगे। आयोग ने वो तर्क रखे, जो उन्हें कभी नहीं देने चाहिए।' शिवेसना (यूबीटी) नेता ने कहा, ÷आज चुनाव आयोग पर जो सवाल उठ रहे हैं, जनता के बीच आयोग के ऊपर से जो विश्वास उठ रहा है, तो पूछना पड़ेगा कि ऐसा क्यों है कि जनता आप पर भरोसा खो बैठी है। आपकी जिम्मेदारी और दायित्व बनता है कि वह सभी के प्रश्नों का जवाब दे। वहीं, विपक्ष जो सवाल पूछ रहा है, वह जनता का ही सवाल है। ' आगे की रणनीति के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, ÷इंडिया ब्लॉक की आगामी बैठक में जो भी निर्णय लिया जाएगा, उसे मीडिया के साथ साझा करेंगे। देश में एक तरफ वे लोग हैं, जो लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान पर विश्वास करते हैं। वहीं, दूसरी तरफ वे लोग हैं, जो गैर-संवैधानिक तौर-तरीके से काम करते हैं, उपराष्ट्रपति से इस्तीफा लेते हैं।

मूसलाधार बारिश से महाराष्ट्र के मुंबई का जनजीवन अस्त व्यस्त, लोकल सेवा बाधित

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के मुंबई में मंगलवार को हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त हो गया है। भारी बारिश से रेल पटरियों पर जलभराव होने से मध्य रेलवे की सेवा ठप हो गई है, जबकि पश्चिम रेलवे की सेवा काफी धीमी गति से चल रही है। दृश्यमानता (विजिबिलटी)कम होने के कारण हवाई सेवाओं पर भी असर पड़ा है। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने प्रशासन को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है और अत्यंत जरुरी रहने पर ही घर से निकलने की अपील की है। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने

मंगलवार को मंत्रालय में स्थित आपातकालीन विभाग में मुंबई सहित राज्य में हो रही भारी बारिश पर की जा रही उपाययोजना की समीक्षा बैठक की। इसके बाद अजीत पवार ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग ने आज मुंबई सहित कई जिलों में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। इसे देखते हुए संबंधित जिलों में प्रशासन राहत और मदद कार्य कर रहा है। मौसम विभाग की ओर जारी बारिश के लिए अलर्ट को देखते हुए मुंबई , ठाणे और पालघर में आज अवकाश घोषित किया गया है। हालाँकि आवश्यक सेवाएँ जारी रहेंगी। निजी कार्यालयों और प्रतिष्ठानों को भी अपने कर्मचारियों को घर से काम करने की अनुमति देने का निर्देश दिया गया है। बीएमसी ने अनावश्यक यात्रा से बचने और सुरक्षा के लिए घर पर रहने की अपील की है। मुंबई और उसके उपनगरों में पिछले दो दिनों से भारी बारिश जारी है और कई इलाकों में सड़कों पर जलभराव दिखाई दे रहा है। कुछ जगहों पर पानी कमर तक पहुँच गया है जिससे लोगों को पैदल चलने में भारी दिक्कत हो रही है। बारिश के कारण मुंबई की जीवन रेखा कही जाने वाली लोकल सेवा भी बाधित हुई है। मध्य रेलवे प्रशासन के अनुसार, भारी बारिश और बढ़ते ज्वार के कारण नगर निगम ने फ्लड गेट खोल दिए हैं, जिससे समुद्र का पानी मुंबई में प्रवेश नहीं कर पा रहा है। फ़िलहाल, ये फ्लड गेट बंद कर दिए गए हैं। कुर्ला, सायन, चूनाभट्टी, तिलक नगर समेत मीठी नदी के आस-पास के इलाकों में पानी जमा हो गया है। दादर जैसे स्टेशनों पर बाढ़ का सीधा असर लोकल सेवाओं पर पड़ा है।

संसद परिसर में विपक्षी इंडी गठबंधन का प्रदर्शन, खरगे का आरोप- जनता के साथ हो रहा अन्याय

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विपक्षी इंडी गठबंधन के सांसदों ने संसद भवन परिसर में प्रदर्शन किया। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और अवधेश प्रसाद सिंह समेत कई अन्य विपक्षी नेता शामिल हुए। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि चुनाव आयोग विपक्षी नेताओं को डराने और धमकाने की कोशिश कर रहा है, जो कि उसके अधिकार क्षेत्र से बाहर है। चुनाव आयोग अपनी संवैधानिक ज़िम्मेदारियों से भाग नहीं सकता और उसे निष्पक्ष जांच करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनावों की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठ खड़े हुए हैं। चुनाव आयोग को विपक्ष को डराने के बजाय तथ्यों की जांच करनी चाहिए। यह सिर्फ एक राजनीतिक आंदोलन नहीं, बल्कि वोट के अधिकार की रक्षा की लड़ाई है, जो सड़क से संसद तक जारी रहेगी।

इंडिया गठबंधन की तरफ से बी सुदर्शन रेड्डी होंगे उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार,खड़गे ने किया ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन ने उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने उम्मीदवार का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मंगलवार को घोषणा की कि गठबंधन की ओर से सुदर्शन रेड्डी को उम्मीदवार बनाया गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कहते हैं, 'बी. सुदर्शन रेड्डी भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रगतिशील न्यायविदों में से एक हैं। उनका एक लंबा और प्रतिष्ठित कानूनी करियर रहा है, जिसमें आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्य करना शामिल है। वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक

न्याय के एक निरंतर और साहसी समर्थक रहे हैं। वे एक गरीब व्यक्ति हैं और यदि आप उनके कई फैसले पढ़ेंगे, तो आपको पता चलेगा कि उन्होंने कैसे गरीबों का पक्ष लिया और संविधान तथा मौलिक अधिकारों की रक्षा की।' खड़गे ने कहा कि गठबंधन दलों के बीच आपसी सहमति और चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया। उन्होंने दावा किया कि रेड्डी का व्यक्तित्व, अनुभव और सार्वजनिक जीवन में उनकी भूमिका उन्हें इस पद के लिए सबसे उपयुक्त बनाती है। आपको बता दे की महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को ह्यष्ट ने उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार घोषित किया है।भाजपा संसदीय दल की बैठक में उनके नाम पर सहमति बनी। सीपी राधाकृष्णन का पूरा नाम चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन है। इनका जन्म 4 मई 1957 को तिरुपुर, तमिलनाडु में हुआ था। मात्र 16 वर्ष की उम्र में उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (ऋस) से जुड़कर राजनीति की शुरुआत की।1998 और 1999 में वे कोयंबटूर लोकसभा सीट से सांसद बने।2004 से 2007 तक तमिलनाडु भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रहे।2023 में उन्हें झारखंड का राज्यपाल नियुक्त किया गया था, जिसके बाद वर्तमान में वे महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में कार्यरत हैं।चुनावी प्रक्रियाउपराष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 21 अगस्त तय की गई है।25 अगस्त तक उम्मीदवार अपना नाम वापस ले सकते हैं।मतदान और मतगणना दोनों 9 सितंबर को होंगे।

दिल्ली के लिए अगले 72 घंटे अहम, हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़ने के बाद बाढ़ का खतरा बढ़ा

एजेंसी

नई दिल्ली । हरियाणा के यमुनानगर स्थित हथिनीकुंड बैराज से बीते 16 और 18 अगस्त को कुल 2.40 लाख से अधिक क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जिससे अगले 72 घंटों में दिल्ली पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। हथिनीकुंड बैराज से 16 अगस्त को 1.78 लाख क्यूसेक पानी यमुना नदी में छोड़ा गया, जबकि 18 अगस्त को और करीब 65 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। इसका असर अगले 72 घंटे में दिल्ली में दिखाई दे सकता है। इस स्थिति में यमुना किनारे बसे इलाकों में बाढ़ के हालात बन सकते हैं।फिलहाल, दिल्ली में यमुना का जलस्तर बढ़ा हुआ है। मंगलवार

सुबह 8 बजे दिल्ली के पुराने रेलवे पुल पर यमुना नदी का जलस्तर 205.85 मीटर दर्ज किया गया, जो निकासी के लिए निर्धारित 206 मीटर के निशान से थोड़ा कम है। सोमवार दोपहर तक, नदी खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर 205.55 मीटर तक पहुंच गई थी और तब से लगातार बढ़ रही है। जलस्तर बढ़ने के बाद अधिकारियों ने ओखला बैराज के सभी गेट खोल दिए हैं। यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने से दिल्ली के यमुना बाजार और आसपास के इलाकों में पानी घुसने लगा है, जिससे निवासियों को अपने घर छोड़कर अस्थायी तंबुओं या छतों पर शरण लेनी पड़ रही है। एक अन्य स्थानीय निवासी अनिरुद्ध ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि सोमवार दोपहर से पानी जमा हो गया है, जिससे काफी मुश्किलें हो रही हैं और सामान छत पर ले जाया गया है। देव प्रकाश पांडे ने कहा कि हमें बहुत सारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। बहुत सी चीजें, हमारा सामान, सब कुछ बर्बाद हो गया है। हमें छतों पर रहने को मजबूर होना पड़ रहा है।

प्रोफेसर की भूमिका निभाने वाले '3 इडियट्स' फेम अभिनेता अच्युत पोतदार का निधन

एजेंसी

मुंबई। मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। वरिष्ठ अभिनेता अच्युत पोतदार का 91 वर्ष की आयु में निधन हो गया। लंबे समय से वे उम्र संबंधी बीमारियों से जूझ रहे थे। उनकी 18 अगस्त को तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। तमाम कोशिशों के बावजूद डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके और उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से फिल्म जगत में गहरा शोक है। अच्युत पोतदार उन कलाकारों में से रहे, जिन्होंने अपने सादगी भरे अंदाज और नैसर्गिक अभिनय से दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी। उन्होंने अपने अभिनय सफर की शुरुआत साल 1980 में

फिल्म आक्रोश से की थी, जिसमें नसीरुद्दीन शाह और ओम पुरी जैसे दिग्गज उनके साथ थे। इसके बाद उन्होंने न सिर्फ हिंदी, बल्कि मराठी सिनेमा में भी अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई। करीब चार दशकों लंबे करियर में अच्युत पोतदार ने 125 से अधिक फिल्मों में काम किया। उनकी भूमिकाएं भले ही कभी-कभी सहायक पात्रों में रही हों, लेकिन उनके अभिनय की सच्चाई और सहजता हर किरदार को यादगार बना देती थी। आमिर खान की ब्लॉकबस्टर फिल्म '3 इडियट्स' में उन्होंने प्रोफेसर की भूमिका निभाकर दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके अलावा वे 'लगे रहो मुन्ना भाई', 'रंगीला', 'परिणीता', 'वास्तव', 'फेरारी की सवारी', 'दबंग 2' और 'भूतनाथ' जैसी लोकप्रिय फिल्मों में नजर आए। हर फिल्म में उन्होंने अपने अलग अंदाज से योगदान दिया और यह साबित किया कि वे किसी भी किरदार में ढल जाने की क्षमता रखते हैं। फिल्मों के अलावा वे कई टीवी धारावाहिकों का भी हिस्सा रहे।

रंजिश में युवक को मारी गोली

एजेंसी

नई दिल्ली। बाहरी जिले के रणहौला इलाके में पुरानी रंजिश में एक युवक को गोली मार दी गई। कंधे में दो और हाथ में एक गोली लगने के बाद पीड़ित आजाद आलम (31) को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने जांच के बाद हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर आरोपित निशांत (32) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपित निशांत ने खुलासा किया है कि तीन माह पूर्व एक शादी समारोह में झगड़े के बाद आजाद व उसके दोस्तों ने निशांत की स्कोर्पियों में आग लगा दी थी। उसका बदला लेने के लिए उसने आजाद पर हमला किया। पुलिस के मुताबिक आजाद परिवार के साथ मोहन गार्डन इलाके में रहता हैं। वह पेशे से ओला कैब चालक है। सुबह के समय वह एक जिम में ट्रेनर भी है। वहीं आरोपित निशांत परिवार के साथ हस्तसाल गांव में रहता है। रविवार रात को आजाद अपने दोस्त रोहित के साथ विकास नगर में मौजूद था। इस बीच निशांत अपने दोस्तों के साथ वहां पहुंचा और आते ही आजाद से झगड़ा करने लगा। कहासुनी के बाद आरोपित ने अचानक पिस्टल निकाल कर आजाद पर गोलियां बरसा दीं। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया।

फायरिंग के मामले में नाबालिग को दबोचा

नई दिल्ली। उत्तरी जिले के सराय रोहिल्ला थाना क्षेत्र स्थित सदर बाजार इलाके में हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने एक नाबालिग को पकड़ा है। उसके कब्जे से देसी कट्टा, जिंदा कारतूस, एक खाली खोखा और एक बुलेट बाइक बरामद की है। उत्तरी जिले के डीसीपी राजा बंथिया ने बताया कि 11-12 अगस्त की मध्यरात्रि को थाना सराय रोहिल्ला को सूचना मिली कि चूना भट्टी, अंबा बाग इलाके में एक युवक ने फायरिंग की है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस को कॉलर युवती ने बताया कि उसके भाई शुभम और इलाके के ही लड़के नाबालिग के बीच गणेश प्रतिमा की खरीद को लेकर विवाद चल रहा था। 11 अगस्त की रात करीब 11:30 बजे आरोपित नाबालिग गली में आया और शुभम को नाम लेकर छत पर बुलाया। जैसे ही शुभम और उसकी बहन छत पर पहुंचे, आरोपित ने उन पर देसी कट्टे से फायर किया। गोली घर के छज्जे में जाकर लगी। इसी दौरान मोहल्ले के प्रिंस ने आरोपित से कट्टा छीन लिया, लेकिन वह भागने में कामयाब रहा।डीसीपी के अनुसार मामले को गंभीरता से लेते हुए एक टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे करीब 30 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले और स्थानीय सूत्रों से जानकारी जुटाकर आरोपित नाबालिग को करोलबाग इलाके से पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपित को बाल सुधार गृह भेजा दिया है। पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि शुभम से गणेश पूजा के लिए दो हजार रुपये चंदे को लेकर विवाद हुआ था। इसी बात से नाराज होकर उसने फायरिंग की। हथियार उसने अपने रिश्तेदार बंटी (निवासी अलीगढ़, उप्र) से करीब दो महीने पहले खरीदा था।

दिल्ली यमुना बाजार इलाके में घुसा बाढ़ का पानी, लोगों को उठानी पड़ रही परेशानी

नई दिल्ली । दिल्ली के यमुना बाजार में यमुना का जलस्तर बढ़ने की वजह से आसपास के इलाकों में बाढ़ का पानी आ गया है। यमुना से सटे इलाकों के घरों में पानी चला गया है और लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यमुना से सटे इलाकों में पानी घुसने की वजह से लोगों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रभावित क्षेत्र के लोगों का पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों को प्रशासन ने अलर्ट किया था, जिसके बाद कुछ लोग दूसरी जगह शिफ्ट हुए। यमुना बाजार इलाके में सोमवार शाम से ही पानी आने का सिलसिला शुरू हो गया। ऐसे ही हालात 2023 में हुए थे, जब दिल्ली में भयंकर बाढ़ आई थी। एक बार फिर दिल्ली के निचले इलाके डूबे हुए नजर आ रहे हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता मंगलवार को यमुना बाजार इलाके में दौरा कर सकती हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि कुछ मदद की जाएगी। एक स्थानीय ने आईएएनएस को बताया, ही इलाके में पानी भर गया था, काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हर साल पानी भरता है। कभी-कभी मेरे घर के कुछ दूरी से ही लौट जाता है, जैसे पिछले साल हुआ था। लेकिन इस बार कुछ ज्यादा आ गया। मेरा पूरा परिवार छत पर रह रहा है। मच्छर काफी ज्यादा हो रहे हैं।

शुभांशु शुक्ला को लेकर विशेष सत्र में शामिल नहीं हुए राहुल गांधी, उदित राज ने बताई वजह

नई दिल्ली । अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की उपलब्धियों को सम्मान देने के लिए केंद्र सरकार की ओर से संसद का विशेष सत्र बुलाया गया था। लेकिन, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी शामिल नहीं हुए। कांग्रेस नेता उदित राज ने इसे लेकर केंद्र पर हमला बोला है। समाचार एजेंसी बातचीत में कांग्रेस नेता उदित राज ने कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि एक दिन यह सरकार संसद के 'विशेष सत्र' का मतलब ही बदल देगी। इस देश में कई तरह की अहम समस्याएं हैं, लेकिन उस पर विचार विमर्श करने के लिए अभी तक संसद का एक भी विशेष सत्र आहूत नहीं किया गया। साथ ही, उन्होंने संसद के विशेष सत्र में राहुल गांधी के शामिल नहीं होने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, राहुल गांधी अभी वोट अधिकार यात्रा पर निकले हुए हैं। केंद्र सरकार वोट चोरी करने पर आमादा हो चुकी है। लोकतंत्र के सिद्धांतों को लगातार यह सरकार ताक पर रख रही है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

इंडस्ट्रियल आइडियाथॉन 2025 के फाइनल में पहुंची 13 कॉलेजों की 40 टीमें का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उद्योग मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने इंडस्ट्रियल आइडियाथॉन 2025 के फाइनल मुकाबले में स्थान बनाने वाली दिल्ली के 13 कॉलेजों की 40 टीमें का ऐलान किया। विजेता के चयन के लिए फाइनल मुकाबला 22 अगस्त को होगा।विजेताओं को कुल 40 लाख रुपये के पुरस्कार और साथ ही इंडस्ट्री मान्यता और सपोर्ट दिया जाएगा। मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि इंडस्ट्रियल आइडियाथॉन के लिए मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स बताता है कि हमारे युवा न सिर्फ पॉलिसी मेकिंग में दिलचस्पी रखते हैं बल्कि असली व्यवसाय समाधान भी दे सकते हैं। नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वुमेन, शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज और गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी और अन्य

संस्थानों से आए ये फाइनलिस्ट इस बात का सबूत हैं कि दिल्ली के छात्र लॉजिस्टिक्स, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस, टेक्नोलॉजी एडॉप्शन और एमएसएमई स्ट्रेंथेनिंग में नवाचार को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने बताया कि फाइनलिस्ट टीमों ने अलग-अलग इंडस्ट्रियल चुनौतियों के लिए इनोवेटिव आइडिया तैयार किए हैं। कोई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन मॉडल बना रहा है, तो कोई स्टार्टअप और आंत्रप्रेन्योर के लिए ईजी ऑफ डूइंग बिजनेस के नए सॉल्यूशन। कुछ टीमें इंडस्ट्री 4.0 टेक्नोलॉजी जैसे ऑटोमेशन और रोबोटिक्स पर काम कर रही हैं, जबकि कुछ एमएसएमई सेक्टर के लिए फाइनेंस और मार्केट एक्सेस जैसे मॉडल डेवलप कर रही हैं। सिरसा ने बताया कि नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी से सबसे ज्यादा 10 टीमें चुनी गईं। इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वुमेन से छह टीमें और शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज और गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी से 5-5 टीमें फाइनल में पहुंची हैं। अन्य संस्थानों में भगवान परशुराम इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, महाराजा अग्रसेन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कस्तूरी राम कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, गुरु तेग बहादुर yth सेंटेनरी इंजीनियरिंग कॉलेज, किरोरीमल कॉलेज, गुरु तेग बहादुर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी दिल्ली, दिल्ली टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी और जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि आइडियाथॉन 2025 में रिकॉर्ड 652 रजिस्ट्रेशन हुए। पहले राउंड के बाद 124 टीमें 13 अगस्त को आयोजित प्री-इवैल्यूएशन में पहुंची थीं। अब उनमें से टॉप 40 टीमें 22 अगस्त को होने वाले ग्रैंड फिनाले में भिड़ेंगी। विजेताओं को कुल 40 लाख रुपये के पुरस्कार और साथ ही इंडस्ट्री मान्यता और सपोर्ट दिया जाएगा।

रणदीप सुरजेवाला ने मतदाता सूची पर चर्चा के लिए राज्यसभा में 'नोटिस ऑफ मोशन' प्रस्तुत किया

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने मंगलवार को राज्यसभा में नियम 267 के तहत नोटिस फॉर मोशन प्रस्तुत किया। यह नोटिस मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रियाओं की अखंडता से संबंधित गंभीर मुद्दों पर चर्चा कराने के लिए दिया गया है। सुरजेवाला ने इस प्रस्ताव के माध्यम से सदन में शून्यकाल, प्रश्नकाल और दिन के अन्य कार्यों को निलंबित कर मतदाता सूची से जुड़ी चिंताओं पर विचार-विमर्श की मांग की है। उन्होंने अपने नोटिस में कहा, यह सदन चुनावी प्रक्रियाओं की अखंडता के बारे में चिंताओं पर चर्चा करने के लिए प्रासंगिक नियमों को निलंबित करे। सदन को पर्याप्त सुरक्षा उपायों, पारदर्शिता और उचित प्रक्रिया के अभाव में अनिश्चित समुदायों को मतदाता सूची से बाहर किए जाने की गंभीर चिंताओं पर विचार करना चाहिए। सुरजेवाला ने अपने प्रस्ताव में कहा कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है। मतदाता सूची से लोगों को हटाने की प्रक्रिया में यदि उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर सकता है। इस नोटिस के जरिए उन्होंने सरकार से इस मुद्दे पर तत्काल ध्यान देने और सदन में विस्तृत चर्चा की मांग की है। यह प्रस्ताव ऐसे समय में आया है जब देश में मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रियाओं की निष्पक्षता को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं।इससे पहले सुरजेवाला ने 12 अगस्त को भी नोटिस ऑफ मोशन दिया था। राज्यसभा के महासचिव को लिखे पत्र में वे 12 अगस्त को सदन में निर्धारित शून्यकाल, प्रश्नकाल और दिन के अन्य कार्यों को स्थगित कर केवल इस मुद्दे पर चर्चा चाहते थे।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के करीब

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान के बेहद करीब 205.24 पहुंचने से यहां बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। हरियाणा स्थित हथनीकुंड बैराज के सभी 18 गेटों के खोले जाने और करीब 1.78 लाख क्यूसेक पानी छोड़ने से दिल्ली पर बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर चेतावनी के निशान 204.5 मीटर से ऊपर बढ़कर आज दोपहर एक बजे तक 205.24 मीटर पर पहुंच गया। दिल्ली में यमुना का खतरे का निशान 205.33 है। दिल्ली सरकार का कहना है कि हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग की ओर से रविवार को जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि 19 अगस्त की सुबह दो बजे यमुना का जलस्तर 206 मीटर को पार कर सकता है। विभाग ने यमुना के घाटों को खाली करने को लेकर निर्देश जारी किए हैं। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने एक्स पोस्ट में कहा कि यमुना नदी

का जलस्तर तेजी से बढ़ने के कारण दिल्ली पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। वह दिल्ली, जो हल्की-सी बरसात में ही डूब जाती है, उसके लिए यह स्थिति अत्यंत गंभीर और संवेदनशील है। उन्होंने कहा कि हम आशा करते हैं कि सरकार तत्काल सभी आवश्यक सावधानियां बरतेगी। बाढ़ प्रबंधन, नालों की सफाई और आपदा राहत की तैयारियां केवल फाइलों में नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत में दिखनी चाहिए। दिल्लीवासियों का जीवन दांव पर है और यह समय सियासी बयानबाजी का नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और जवाबदेही का है।

प्रसिद्ध गायक संजय सिंह को यूनाइटेड नेशन्स ने विशिष्ट मान्यता प्रमाण पत्र से किया सम्मानित

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रसिद्ध गायक एवं संगीतकार संजय सिंह को यूनाइटेड नेशन्स ने विशिष्ट मान्यता प्रमाण पत्र से सम्मानित किया। ये पुरस्कार उन्हें इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 17 अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया गया। संजय सिंह को यूनाइटेड नेशनस ने ये सम्मान दिव्यांग बच्चों पे आधारित एक म्यूजिक वीडियो के लिए प्रदान किया। इस म्यूजिक वीडियो में संजय सिंह ने गायक के रूप में अपनी आवाज दी तथा संगीत निर्देशन भी किया। उन्होंने भारतीय टेलीविजन पर लोकप्रिय कई रियलिटी शो जीतकर अपनी पहचान बनाई है। संजय ने मुंबई और वाराणसी के प्रतिष्ठित गुरुजनों से क्लासिकल वोकल संगीत और रिकॉर्डिंग तकनीकों का प्रशिक्षण लिया है। गायक के साथ वे संगीतकार, अरेंजर्स और वाद्यविज्ञ हैं। संजय ने भारत और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दो सौ से अधिक स्टेज शो किए हैं। जिनमें कृषि मंत्रालय, इस्पात मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय और राजस्थान, मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश सरकार जैसे सरकारी निकायों द्वारा आयोजित कार्यक्रम शामिल हैं। उन्होंने संगीत की विभिन्न विधाओं में गायन किया हैं। जिसमें बॉलीवुड हिट्स, भजन, गजलें, देशभक्ति गीत, सूफी संगीत, कबीर, लोक गीत और पॉप संगीत शामिल हैं। सामाजिक विषयों पर आधारित गीतों के माध्यम से समाज में जागरूकता पैदा करने का काम किया। उनके संगीत वीडियो में युवा वर्ग में नशीली दवाओं की लत, बाल मजदूरी, पर्यावरण, बाल विवाह, बुजुर्गों की देखभाल, विकलांग बच्चों और रैग-पिकर समुदाय के संघर्ष जैसे

विषय शामिल हैं। संजय का संगीत यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम सहित विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संगीत बैंड्स के साथ सहयोग किया है और कई आगामी परियोजनाएं विभिन्न क्षेत्रों के लोक कलाकारों के साथ कार्य कर रही हैं।

दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम हुआ लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि दिल्ली स्कूल शिक्षा (फीस निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम 2025 मंजूर हो गया है। उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इसे अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसके बाद सरकार ने इसे अधिसूचित कर दिया है। यह ऐतिहासिक कानून अब शिक्षा के व्यावसायीकरण पर अंकुश लगाएगा और स्कूलों की फीस निर्धारण में पारदर्शिता, जवाबदेही व निष्पक्षता सुनिश्चित करेगा मुख्यमंत्री ने एक बयान में बताया कि दिल्ली विधानसभा में 8 अगस्त को यह विधेयक पारित किया गया था। यह विधेयक दिल्ली के लाखों अभिभावकों के लिए एक ऐतिहासिक जीत है। वर्षों से अभिभावक निजी स्कूलों की मनमानी शुल्क वृद्धि से परेशान थे। इस कानून ने स्कूलों में एक सुदृढ़, पारदर्शी और

सहभागी शुल्क विनियमन प्रणाली स्थापित की है। अब शिक्षा कोई व्यावसायिक सौदा नहीं होगी, बल्कि एक अधिकार और लोक-कल्याण का साधन बनी रहेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि यह विधेयक अभिभावक, शिक्षक, प्रबंधकों और सरकार के प्रतिनिधित्व वाली स्कूल स्तरीय फीस नियंत्रित समितियों को अनिवार्य बनाता है। अब किसी भी प्रकार की फीस बढ़ोतरी के लिए पूर्व अनुमोदन आवश्यक है। यह विधेयक बहु-स्तरीय शिकायत निवारण प्रदान करेगा और विवादित शुल्क के लिए छात्रों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाएगा। स्वीकृत की गई निर्धारित फीस तीन वर्षों तक यथावत रहेगी, जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ का असर कम होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व सरकारों ने इस मामले को कभी गंभीरता से नहीं लिया, जिसके चलते अभिभावकों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ा। पूर्व सरकार ने अपने शिक्षा मॉडल का झूठ फैलाया लेकिन न तो फीस सिस्टम को दुरुस्त किया और न ही शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए प्रयत्न किए। उन्होंने कहा कि अब कोई भी स्कूल तय की गई फीस से ज्यादा धनराशि नहीं वसूल सकेगा। हर स्कूल में फीस समिति होगी। इस समिति में प्रबंधन, शिक्षक, अभिभावक, महिलाएं और वंचित वर्ग के लोग शामिल होंगे, ताकि फीस तय करने में सबकी भागीदारी होगी। उन्होंने बताया कि जिले में शिकायत निवारण समिति होगी। फीस से जुड़ी शिकायतें और विवाद वरिष्ठ शिक्षा अधिकारियों की अध्यक्षता में बनी समिति तुरंत सुलझाएगी। जिला स्तर के फैसलों पर अपील की जांच के उच्चस्तरीय पुनरीक्षण समिति भी होगी, ताकि कोई भी पक्षपात न हो। स्वीकृत फीस का ब्योरा नोटिस बोर्ड, वेबसाइट और हिंदी, अंग्रेजी व स्कूल की भाषा में खुले रूप में प्रदर्शित होगा।

नाबालिग बच्ची के अपहरण और तस्करी की साजिश नाकाम, चार गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के उत्तर पश्चिमी जिले के भारत नगर थाना क्षेत्र से लापता 13 वर्षीय बच्ची को पुलिस ने 26 दिन बाद सुरक्षित बरामद कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में 4 अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जो बच्ची को बेचने की साजिश रच रहे थे। जांच में यह भी खुलासा हुआ कि आरोपितों ने बच्ची को बालिग दिखाने के लिए उसका फर्जी आधार कार्ड भी बनवा लिया था। पकड़े गए आरोपितों की पहचान उत्तर प्रदेश के शामली निवासी राजीव (40), हापुड़ निवासी विकास (20), मेरठ निवासी आशु (55) और गाजियाबाद निवासी रमनजोत सिंह (24) के रूप में हुई है।उत्तर पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि 21 जुलाई की रात वजीरपुर जेजे कॉलोनी की एक महिला ने पुलिस को कॉल कर बताया कि उसकी 13 साल की बेटी ट्यूशन से लौटकर घर नहीं आई। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान बच्ची को आखिरी बार इंदरलोक मेट्रो बस स्टैंड के पास देखा गया। पुलिस ने 30 से अधिक मोबाइल नंबर खंगाले, संदिग्ध इंस्टाग्राम अकाउंट्स की जांच की और दिल्ली, हरियाणा, उप्र के कई जिलों- मथुरा, रोहिणी, पलवल, द्वारका, शकरपुर, रेलवे स्टेशनों पर लगातार छापेमारी की। 16 अगस्त को तकनीकी जांच के बाद पुलिस को सुराग मिला कि बच्ची को शामली जिले के गांव झाल (उप्र) ले जाया गया है। भारत नगर पुलिस थाने की टीम ने स्थानीय पुलिस की मदद से छापा मारकर बच्ची को सुरक्षित बरामद किया और तीन आरोपितों को मौके से गिरफ्तार कर लिया।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं एमएसएमई : विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। वर्तमान में यह क्षेत्र भारत के कुल निर्यात में लगभग 45 फीसद योगदान देता है। यदि उपयुक्त नीतियां, वैश्विक साझेदारियां और नवाचार को बढ़ावा मिले, तो यह योगदान 60-70 फीसद तक पहुंच सकता है। यह बातें विजेंद्र गुप्ता ने एमएसएमई ग्लोबल समिट 2025 में अपने संबोधन के दौरान कही। यह सम्मेलन स्टार इंटरनेशनल एमएसएमई फोरम के जरिए फेडरेशन ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एफटडीआईआई) तथा सर्विस एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (एसईपीसी) के सहयोग से आयोजित किया गया। सम्मेलन का मुख्य विषय– 'एमएसएमई को सशक्त करना, वैश्विक स्तर पर जोड़ना'– कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं डिजिटल तकनीक के उपयोग, निर्यात रणनीतियों, महिला एवं युवा उद्यमिता तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श के लिए मंच प्रदान करता है। सम्मेलन में अनेक देशों के राजनयिकों, उद्योग जगत के अग्रणी नेताओं, विद्वानों और उत्साही उद्यमियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। विजेंद्र गुप्ता ने प्रधानमंत्री के लोकल टू ग्लोबल के आह्वान का उल्लेख कर कहा कि यह सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक क्रांति का घोषणापत्र है। 20 से अधिक देशों के व्यापार प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ यह सम्मेलन भारतीय उद्यमियों को नए बाजारों तक पहुंचने, उन्नत तकनीकों को अपनाने और वैश्विक स्तर पर अपनी उपस्थिति बढ़ाने का अवसर उपलब्ध कराता है। उन्होंने कहा कि भारत की ताकत केवल बड़े उद्योगों में नहीं, बल्कि उन असंख्य छोटे सपनों में है, जिन्हें लाखों एमएसएमई उद्यमी प्रतिदिन साकार कर रहे हैं। यही छोटे सपने मिलकर भारत को विकसित राष्ट्र बनने का मार्ग दिखा रहे हैं। गुप्ता ने उद्यमियों से 'मेक इन इंडिया' से आगे बढ़कर 'मेड फॉर द वर्ल्ड' की ओर बढ़ने का आह्वान किया, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा बताया। उन्होंने कहा कि नवाचार, गुणवत्ता संवर्द्धन और वैश्विक सप्लाई चेन से जुड़ाव ही इस लक्ष्य को प्राप्त करने की कुंजी हैं। साथ ही उन्होंने महिलाओं और युवाओं से आग्रह किया कि वे सरकारी नीतियों, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा इस प्रकार के मंचों से मिल रहे अवसरों का भरपूर लाभ उठाएं। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी से मिलकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आइए, हम सब मिलकर भारत के एमएसएमई को मजबूत बनाएं ताकि वे व्यापार और नवाचार में दुनिया के अग्रणी बन सकें। उद्यमशीलता, तकनीकी प्रगति और सांस्कृतिक मूल्यों के बल पर हम अपनी अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर और विकास को आगे बढ़ाने वाली शक्ति बना सकते हैं। यही रास्ता भारत को विश्वगुरु बनाएगा, जहां हम लचीलापन, स्थिरता और साझा समृद्धि के मूल्यों से दुनिया का मार्गदर्शन करेंगे।

दिल्ली के राजा गार्डन में इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में लगी आग

नई दिल्ली। पश्चिमी जिले के राजा गार्डन में इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में दोपहर अचानक आग लग गयी। दमकल की पांच गाड़ियां आग बुझाने में जुटी हुई हैं। इस दौरान चार लोगों को बाहर निकाल कर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दमकल विभाग के अनुसार सोमवार दोपहर करीब 3.18 बजे कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि राजा गार्डन स्थित इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में आग लग गई है। सूचना मिलते ही दमकल की पांच गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। घटनास्थल पर मौजूद दमकल के अधिकारी सरबजीत के अनुसार आग फिलहाल आग बुझाने का काम जारी है। घटना में चार लोगों को गोदाम से बाहर निकाल कर निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया गया है।

मुख्यमंत्री ने की यमुना से सटे क्षेत्रों में बाढ़ प्रबंधन एवं तैयारियों की समीक्षा, बिना अवरोध आगे बढ़ रहा है पानी

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने राजधानी में यमुना नदी और उससे सटे क्षेत्रों में बाढ़ प्रबंधन एवं तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। मुख्यमंत्री का दौरा असीता घाट से प्रारंभ होकर यमुना छठ घाट, डीएम ईस्ट कार्यालय, 12 नंबर रेगुलेटर और कंट्रोल रूम तक चला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हथिनीकुंड बैराज से छोड़े गए पानी की मात्रा और ऊपरी यमुना क्षेत्र में भारी वर्षा को देखते हुए केंद्रीय जल आयोग द्वारा जारी की गई एडवाइजरी के तहत दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर 206 मीटर तक पहुंचने की संभावना है। उन्होंने बताया कि यमुना में इस समय एक लाख से अधिक क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है, लेकिन वह बिना अवरोध व उतनी ही गति से आगे भी बढ़ रहा है, जबकि पहले ऐसा नहीं होता था, जिसके कारण जलभराव की स्थिति बनती थी। मुख्यमंत्री ने बताया कि हमारी सरकार ने इस बार यमुना के जलस्तर से जुड़े सभी पहलुओं की बारीकी से निगरानी की है। लगातार विभागीय

टीमें पानी की स्थिति, छोड़े गए पानी के डिस्चार्ज और उसके बहाव पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि अगस्त-सितंबर 2023 में दिल्ली ने एक अभूतपूर्व बाढ़ का सामना किया, जब यमुना का जलस्तर 208.6 मीटर तक पहुंच गया था और कई रिहायशी इलाके जलमग्न हो गए, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ था। तब नालों की डी-सिल्टिंग और बैराजों की व्यवस्थाएं ठीक नहीं थीं, यहां तक कि आईटीओ बैराज के गेट भी बंद और जाम पड़े थे। लेकिन इस बार पिछले छह महीनों से लगातार काम करके आईटीओ बैराज के सभी गेट पूरी तरह से खोल दिए गए हैं और नालों की डी-सिल्टिंग पूरी होने से उनकी क्षमता भी बढ़ गई है। सरकार ने हर स्तर पर पूरी तैयारी कर रखी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने इस वर्ष मानसून से पहले ही तैयारी को एक्शन मोड में डाल दिया है। जलभराव वाले प्रमुख इलाकों की पहचान कर वहां नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। साथ ही पीडब्ल्यूडी, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग और एमसीडी जैसे विभागों ने नालों की सफाई का काम भी तेज कर दिया है। पंप हाउस की जांच हो चुकी है और मोबाइल पंप भी तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि थोड़ी बहुत समस्या आती भी है तो वह केवल फ्लड प्लेन क्षेत्रों तक ही सीमित रहेगी, क्योंकि वहां पानी आना स्वाभाविक है। ऐसे क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्रशासन ने पहले ही सचेत कर दिया है और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए आवश्यक इंतजाम कर दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि शहर में कहीं भी बाढ़ जैसी स्थिति पैदा नहीं होगी। सभी विभाग 24 घंटे सतर्क रहकर काम कर रहे हैं और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है।

पश्चिम बंगाल में 'द बंगाल फाइल्स' के ट्रेलर को रोके जाने पर विवेक अग्निहोत्री ने उठाए सवाल, कहा- यह अलोकतांत्रिक

एजेंसी

नई दिल्ली। चर्चित फिल्म निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने अपनी आगामी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' के ट्रेलर को पश्चिम बंगाल में न रिलीज करने देने को लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया। नई दिल्ली में फिल्म के बारे में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में विवेक अग्निहोत्री, अभिनेत्री व निर्माता पल्लवी जोशी और निर्माता अभिषेक अग्रवाल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में विवेक अग्निहोत्री ने सवाल पूछा कि क्या भारत में दो संविधान चलते हैं। एक देश का और दूसरा किसी पार्टी का? क्या हिंदुओं को अभिव्यक्ति का अधिकार नहीं है? उन्होंने कहा कि यह फिल्म पांच साल के शोध के बाद बनी है और इसके ट्रेलर को 16 अगस्त को डायरेक्ट एक्शन डे के मौके पर लॉन्च किया जाना था, लेकिन पश्चिम बंगाल में इसकी अनुमति नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि जब फिल्म का ट्रेलर पूरे देश और विदेशों में रिलीज हो सकता है, तो पश्चिम बंगाल में इसे क्यों रोका गया? अमेरिका में फिल्म को बेहद सराहना मिली है, यहां तक कि कैपिटल हिल में भी इसे दिखाया गया है।

उन्होंने कहा कि द बंगाल फाइल्स उनकी लोकतंत्र पर आधारित ट्रायोलॉजी की तीसरी फिल्म है। उन्होंने कहा कि साल 2012 में उन्होंने सोचा था कि सत्यजीत रे और मणिरत्नम जैसे फिल्मकारों की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए लोकतंत्र के तीन स्तंभों पर फिल्म बनाई जाए। पहले स्तंभ 'सच बोलने का अधिकार' पर द ताशकंद फाइल्स, दूसरे 'न्याय के अधिकार' पर द कश्मीर फाइल्स और अब तीसरे स्तंभ 'जीने के अधिकार' पर द बंगाल फाइल्स बनाई है। पल्लवी जोशी ने भी पश्चिम बंगाल में पुलिस द्वारा ट्रेलर लॉन्च रोकने की आलोचना की और इसे अन्याय बताया। उन्होंने कहा कि कोलकाता पुलिस की इस कार्रवाई से सभी लोग आहत हैं, इसलिए वह स्वयं इस पत्रकार वार्ता में आई हैं। उल्लेखनीय है कि यह फिल्म 5 सितंबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म की कहानी 1946 के डायरेक्ट एक्शन डे और भारत-पाक विभाजन के दौरान हुए दंगों पर आधारित बताई जा रही है। फिल्म में अनुपम खेर महात्मा गांधी की भूमिका में हैं, जबकि मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी और शाश्वत चटर्जी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अग्निहोत्री ने बताया कि यह फिल्म 18,000 पन्नों की रिसर्च का निचोड़ है।

माता-पिता और संतान के संबंधों की संस्कृति को जीवंतता दें

- ललित गर्ग -

विश्व के अधिकतर देशों की संस्कृति में माता-पिता का रिश्ता सबसे बड़ा एवं प्रगाढ़ माना गया है। भारत में तो इन्हें ईश्वर का रूप माना गया है। माता-पिता को उनके बच्चों के लिए किए गए उनके काम, बच्चों के प्रति उनकी निस्वार्थ प्रतिबद्धता और इस रिश्ते को पोषित करने के लिए उनके आजीवन त्याग के लिए सम्मान और सराहना देने के लिए प्रतिवर्ष विश्व माता-पिता (अभिभावक) दिवस 1 जून को मनाया जाता है। यह संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का पालन दिवस है। यह दिन हमें परिवारों के विकास में माता-पिता और उनके जैसे लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना करने का अवसर प्रदान करता है। 2025 के लिए थीम है माता-पिता का पालन-पोषण। यह थीम माता-पिता के रूप में पालन-पोषण को एक महत्वपूर्ण कौशल के रूप में मान्यता देती है और हमें माता-पिता के रूप में बच्चों के विकास और कल्याण के लिए उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती है। अधिकांश देशों में सदियों से माता-पिता का सम्मान करने की परंपरा रही है। माता-पिता ईश्वर का सबसे अच्छा उपहार हैं। जीवन में कोई भी माता-पिता की जगह नहीं ले सकता। वे सच्चे शुभचिंतक हैं।

माता-पिता ही बच्चों की सुरक्षा, विकास व समृद्धि के बारे में सोचते हैं। बावजूद बच्चों द्वारा माता-पिता की लगातार उपेक्षा, दुर्व्यवहार एवं प्रताड़ना की स्थितियों बढ़ती जा रही है, जिन पर नियंत्रण के लिये यह दिवस मनाया जाता है। भारत में जहां कभी संतानें पिता के चेहरे में भगवान और मां के चरणों में स्वर्ग देखती थीं, आज उसी देश में संतानों के उपेक्षापूर्ण व्यवहार के कारण बड़ी संख्या में बुजुर्ग माता-पिता की स्थिति दयनीय होकर रह गई है। इस दिवस को मनाने की सार्थकता तभी है जब हम केवल भारत में ही नहीं है बल्कि विश्व में अभिभावकों के साथ होने वाले अन्याय, उपेक्षा और दुर्व्यवहार पर लगाम लगाने की भी है। प्रश्न है कि दुनिया में अभिभावक दिवस मनाने की आवश्यकता क्यों हुई? क्यों अभिभावकों की उपेक्षा एवं प्रताड़ना की स्थितियां बनी हुई है? चिन्तन का महत्वपूर्ण पक्ष है कि अभिभावकों की उपेक्षा के इस गलत प्रवाह को कैसे रोके। क्योंकि सोच के गलत प्रवाह ने न केवल अभिभावकों का जीवन दुश्वार कर दिया है बल्कि आदमी-आदमी के बीच के भावात्मक फासलों को भी बढ़ा दिया है। विचारणीय है कि अगर आज हम माता-पिता का अपमान करते हैं, तो कल हमें भी अपमान सहना होगा। समाज का एक सच यह है कि जो आज जवान है उसे कल माता-पिता भी होना होगा और इस सच से कोई नहीं बच सकता। हमें समझना चाहिए कि माता-पिता परिवार एवं समाज की अमूल्य विरासत होते हैं। इन्हीं स्थितियों को देखते हुए 2007 में माता-पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण विधेयक संसद में पारित किया गया है। इसमें माता-पिता के भरण-पोषण, वृद्धाश्रमों की स्थापना, चिकित्सा सुविधा की व्यवस्था और वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा का प्रावधान किया गया है। लेकिन इन सब के बावजूद हमें अखबारों और समाचारों की सुर्खियों में माता-पिता की हत्या, लूटमार, उत्पीड़न एवं उपेक्षा की घटनाएं देखने को मिल ही जाती है।

विश्व में इस दिवस को मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, परन्तु सभी का मुख्य उद्देश्य यह होता है कि वे अपने माता-पिता के योगदान को न भूलें और उनको अकेलेपन की कमी को महसूस न होने दें। हमारा भारत तो माता-पिता को भगवान के रूप में मानता है। इतिहास में अनेकों ऐसे उदाहरण है कि माता-पिता की आज्ञा से भगवान श्रीराम जैसे अवतारी पुरुषों ने राजपाट त्याग कर वनों में विचरण किया, मातृ-पितृ भक्त श्रवण कुमार ने अपने अन्धे माता-पिता को काँवड़ में बैठाकर चारधाम की यात्रा कराई। फिर क्यों आधुनिक समाज में माता-पिता और उनकी संतान के बीच दूरियां बढ़ती जा रही है। आज के माता-पिता समाज-परिवार से कटे रहते हैं और सामान्यतः इस बात से सर्वाधिक दुःखी है कि जीवन का विशद अनुभव होने के बावजूद कोई उनकी राय न तो लेना चाहता है और न ही उनकी राय को महत्व देता है। समाज में अपनी एक तरह से अहमियत न समझे जाने के कारण हमारे माता-पिता दुःखी, उपेक्षित एवं त्रासद जीवन जीने को विवश है।

माता-पिता को इस दुःख और कष्ट से छुटकारा दिलाना आज की सबसे बड़ी जरूरत है। सीमा तक, कितना, किस रूप में और कितनी बार होता है तथा इसके पीछे कारण क्या हैं, इस पर हुए शोध में पता चला कि 82 प्रतिशत पीड़ित बुजुर्ग अपने परिवार के सम्मान के चलते इसकी शिकायत नहीं करते। शोध के निष्कर्षों के अनुसार अभिभावकों पर होने वाले अत्याचार एवं दुर्व्यवहार की स्थितियां चिन्तनीय है। जिनमें परिजनों एवं विशेषतः बच्चों के हाथों बुजुर्ग अपमान (56 प्रतिशत), गाली-गलौच (49 प्रतिशत), उपेक्षा (33 प्रतिशत), आर्थिक शोषण (22 प्रतिशत) और शारीरिक उत्पीड? का शिकार (12 प्रतिशत) होते हैं और ऐसा करने वालों में बहुओं (34 प्रतिशत) की अपेक्षा बेटों (52 प्रतिशत) की संख्या अधिक है जबकि पिछले सर्वेक्षणों में बहुओं की संख्या अधिक पाई गयी है। प्रौद्योगिकी ने भी बुजुर्गों की उपेक्षा और उनसे दुर्व्यवहार में अपना योगदान दिया है और संतानें अपने माता-पिता की अपेक्षा मोबाइल फोन और कम्प्यूटरों को अधिक तवज्जो देती हैं। इसका बुजुर्गों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

अभिभावकों को लेकर जो गंभीर समस्याएं आज पैदा हुई हैं, वह अचानक ही नहीं हुई, बल्कि उपभोक्तावादी संस्कृति तथा महानगरीय अधुनातन बोध के तहत बदलते सामाजिक मूल्यों, नई पीढ़ी की सोच में परिवर्तन आने, महंगाई के बढ़ने और व्यक्ति के अपने बच्चों और पत्नी तक सीमित हो जाने की प्रवृत्ति के कारण बड़े-बूढ़ों के लिए अनेक समस्याएं आ खड़ी हुई हैं। अभिभावकों के लिये भी यह जरूरी है कि वे वार्धक्य को ओढ़े नहीं, बल्कि जीएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नारे सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास की गूंज और भावना अभिभावकों के जीवन में उजाला बने, तभी नया भारत निर्मित होगा। मानवीय रिश्तों में दुनिया में माता-पिता और संतान का रिश्ता अनुपम है, संवेदनाभरा है। माता-पिता हर संतान के लिए एक प्रेरणा हैं, एक प्रकाश हैं और संभावनाओं के पुंज हैं। हर माता-पिता अपनी संतान की निषेधात्मक और दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त करके नया जीवन प्रदान करते हैं। माता-पिता की प्रेरणाएं संतान को मानसिक प्रसन्नता और परम शांति देती है। जैसे औषधि दुख, दर्द और पीड़ा का हरण करती है, वैसे ही माता-पिता शिव पार्वती की भांति पुत्र के सारे अवसाद और दुखों का हरण करते हैं।

माता पिता ही है जो हमें सच्चे दिल से प्यार करते हैं बाकी इस दुनिया में सब नाते रिश्तेदार झुठे होते हैं। पता नहीं क्यों हमे हमारे पिता इतना प्यार करते हैं, दुनिया के बैंक खाली हो जाते हैं मगर पिता की जेब हमेशा हमारे लिए भरी रहती हैं। पता नहीं जरूरत के समय न होते हुए उनके पास अपने बच्चों के लिये कहां से पैसे आ जाते हैं। भगवान के रूप में माता-पिता हमें एक सौगात हैं जिनकी हमें सेवा करनी चाहिए और कभी उनका दिल नहीं तोडना चाहिए। एक बच्चे को बड़ा और सभ्य बनाने में उसके पिता का योगदान कम करके नहीं आंका जा सकता। मां का रिश्ता सबसे गहरा एवं पवित्र माना गया है, लेकिन बच्चे को जब कोई खरोंच लग जाती है तो जितना दर्द एक मां महसूस करती है, वही दर्द एक पिता भी महसूस करते हैं। पिता कठोर इसलिये होते हैं ताकि बेटा उन्हें देख कर जीवन की समस्याओं से लड़ने का पाठ सीखे, सख्त एवं निडर बनकर जिंदगी की तकलीफों का सामना करने में सक्षम हो। माँ ममता का सागर है पर पिता उसका किनारा है। माँ से ही बनता घर है पर पिता घर का सहारा है। माँ से स्वर्ग है माँ से बैकुंठ, माँ से ही चारों धाम है पर इन सब का द्वार तो पिता ही है।

सफलता-असफलता के बीच का संतुलन, प्रयास

हम देखेंगे.. लाजिम है कि हम भी देखेंगे... मशहूर शायर फैज अहमद फैज़ ने ये नज्म साढ़े चार दशक पहले तब लिखी थी जब पाकिस्तान में जनरल जिया उल हक ने हुकूमत की बागडोर संभाली थी। लेकिन इस नज्म को लोकप्रियता हासिल हुई 1986 में इकबाल बानो के जरिए। दरअसल, जिया-उल-हक की सरकार ने साड़ी को गैर इस्लामिक बताकर उस पर रोक लगा दी थी, जिसके विरोध में इकबाल बानो ने सफेद साड़ी पहनकर एक बड़े जनसमूह के सामने यह नज्म गायी थी। इसकी एक पंक्ति सब ताज उछाले जायेंगे, सब तख्त गिराए जायेंगे गाते ही भीड़ ने इंकलाब जिंदाबाद नारे लगाने शुरू कर दिये। उसी वक्त से यह नज्म सरकार और उसके तंत्र के प्रति असंतोष व्यक्त करने, प्रतिकार करने का माध्यम बन गई। भारत में भी जनवादी-प्रगतिशील संगठनों और जन आंदोलनों ने इसे हाथों-हाथ ले लिया और इस नज्म ने जनगीत की शक्ल अख्तियार कर ली।

बरसों-बरस यह नज्म जलसों-जुलूसों, धरने-प्रदर्शनों, बैठकों-सभाओं में गायी जाती रही। सरकारें आती-जाती रहीं, इस रचना में किसी को कोई बुराई नजर नहीं आई। लेकिन फिर 2019 आया जब बाकी देश की तरह आईआईटी कानपुर के छात्र नागरिकता संशोधन कानून (सीएए-एनआरसी) के विरोध में इकठ्ठा हुए और यह नज्म गायी। दूसरे पक्ष के कुछ छात्रों ने इस नज्म को हिन्दू विरोधी बताते हुए बवाल खड़ा कर दिया। उन्होंने संस्थान के निदेशक को शिकायत की कि यह नज्म से उनकी धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली है। इस पर संस्थान ने एक जांच समिति का गठन कर दिया। समिति ने अपनी जांच में पाया कि फैज़ की यह नज्म हिंदू विरोधी नहीं, बल्कि सत्ता के विरोध का प्रतीक है। हालांकि यह तथ्य, साहित्य की सामान्य समझ रखने वाला कोई भी व्यक्ति बता सकता था।

लेकिन जब किसी विचारधारा के प्रति विद्वेष सामान्य बुद्धि पर हावी हो जाये तो कानपुर की घटना का दोहराव होना ही होता है। हाल ही में यह हुआ भी। 2015 की अत्यधिक चर्चित और पुरस्कृत मराठी फिल्म कोर्ट के अभिनेता वीरा साथीदार की स्मृति में नागपुर में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। वीरा एक लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता थे। 2021 में महज 61 साल की उम्र में उनकी मृत्यु हो गई। फिल्म कोर्ट में उन्होंने नारायण कांबले का किरदार निभाया था। इस फिल्म ने दुनियाभर में लगभग 60 करोड़ की कमाई की थी। वीरा के स्मृति आयोजन में हम देखेंगे... नज्म गायी गयी। किसी दक्षिणपंथी संगठन के सदस्य ने इसकी शिकायत पुलिस को कर दी। पुलिस ने भी आनन-फानन में मामला दर्ज कर लिया। उसने स्व. साथीदार की पत्नी पुष्पा समेत अन्य के खिलाफ देश की एकता-अखंडता को नुकसान पहुंचाने, धार्मिक भावना भड़काने और अशांति फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है।

शिकायत में कहा गया है कि फैज की कविता में सिंहासन हिलाने और तानाशाही के दौर जैसी बातें कही गई हैं। वह भी ऐसे समय में जब पहलगाम हादसे के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चल रहा है। अब यह कोई लाल बुझक्कड़ ही बता सकता है कि सालों से गायी जा रही एक नज्म या कविता का दो देशों के बीच उपजे तनाव से क्या वास्ता हो सकता है- खासतौर से तब, जब वह नज्म किसी देश, समाज या धर्म के विरोध में नहीं, बल्कि तानाशाही और अन्याय के विरुद्ध लिखी गई हो। यहां ये बताना लाजिमी है कि अटल बिहारी वाजपेयी जैसे कद्दावर नेता भी फैज अहमद फैज के प्रशंसक थे और जिस नज्म पर इस वक्त सवाल खड़े किये जा रहे हैं, वह भी अटल जी को बेहद पसंद थी। लेकिन न जाने क्यों दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी और मजबूती का दावा करने वाली उसकी सरकार को अपने इस पुरखे के आचरण-व्यवहार से सबक लेना चाहिये।

फैज़ की बात चली है तो यह बताना जरूरी है कि 2022 में सीबीएसई ने 10वीं कक्षा सामाजिक विज्ञान की किताब से उनकी कुछ कविताएं और लोकतंत्र से संबंधित अध्याय हटा दिये थे। इधर हाल ही में अशोका यूनिवर्सिटी के प्रो. अली खान महमूदाबाद को सोशल मीडिया पर उनकी एक पोस्ट के बहाने गिरफ्तार किया गया, अब सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उन्हें अंतरिम जमानत मिल गई है। प्रो. खान के खिलाफ शिकायत करने वाली हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया,एक खबरिया चैनल की एंकर के छः बार पूछने पर भी बता नहीं पाईं कि आखिर उस पोस्ट में कौन सा शब्द, कौन सा वाक्य आपत्तिजनक था। इन्हीं मोहतरमा का एक पुराना वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे राम रहीम को बलात्कारी कहने से बचती नजर आ रही हैं। रेनू भाटिया की तरह भाजपा का कोई नेता या कार्यकर्ता नहीं बता पा रहा है कि जब कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय सेना के बारे में अनर्गल बयान देने वाले मंत्रियों को बचाने की सारी कोशिशें की जा रही है, तब प्रो. महमूदाबाद और पुष्पा साथीदार पर कार्रवाई क्यों की गई। क्या सिर्फ इसलिए कि दोनों में से एक मुसलमान है और दूसरा अंबेडकरवादी! यह याद रखा जाना चाहिये कि हिन्दुस्तान हमेशा से उदार प्रवृत्तियों वाला देश रहा है और यहां असहमतियों-आलोचनाओं का सम्मान होते आया है। सरकार से अलग राय रखने और सवाल पूछने वालों पर बेजा कार्रवाई कर जनता को डराने की कोशिश ही न की जाये तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए अच्छा होगा। वरना एक न एक दिन यह डर खत्म हो जायेगा। और तब क्या होगा - हम देखेंगे...

आंखों से बार-बार पानी आना किस बीमारी का लक्षण है?

आंखों से बार बार पानी आना कई बीमारियों का लक्षण होता है. कई बार यह बीमारी गंभीर भी हो सकती है. यदि आप कंप्यूटर, लैपटॉप या मोबाइल पर ज्यादा समय बिताते हैं तो आपको ड्राई आई की समस्या हो सकती है. ड्राई आई होने पर बार बार पानी आता है. यदि ऐसा नहीं है तो आपको इसकी जांच जरूर करवानी चाहिए. आंखों में बार बार पानी आना किस बीमारी के लक्षण है. इस बारे में हमने बात की सीनियर आई सर्जन से। अक्सर हमारी आंखों से बिना कारण पानी निकलने लगता है. यह आंखों की गंभीर बीमारी का लक्षण हो सकता है. आंखों में ड्राइनेस या धूल और बाल जाने के कारण भी ऐसा हो सकता है. कई बार धूल के कण ऐसे स्थान पर होते हैं जिनके कारण आंखों में खुजली या असहजता नहीं होती, लेकिन आंखों का सिस्टम उसे बाहर निकालने के लिए पानी का सहारा लेता है. इसके अलावा कई बीमारियां भी हैं जिनके कारण बार बार आंखों से पानी आता है.

इन बीमारियों में आता है आंखों में बार बार पानी

एमएमजी अस्पताल के सीनियर आई सर्जन डॉ. नरेंद्र कुमार बताते हैं कि बिना कारण आंखों से पानी आना आंसुओं की ग्रंथि की समस्या का लक्षण होता है. आंसू की नलिका में किसी तरह का अवरोध होता है तो बार बार आंखों में पानी आता है.इसके अलावा यदि पलकों में किसी तरह की समस्या है तब भी आंखों में पानी आता है. पलकों का बाहर या अंदर ओर मुड़ने के कारण भी ऐसा होता है. इसके अलावा बेल्स पाल्सी के कारण भी ऐसा होता है. बेल्स पाल्सी एक तंत्रिका संबंधी विकार है. इसमें चेहरे की मांसपेशियां प्रभावित होती हैं. जिससे आंखें बंद होने या पलकें ठीक से बंद न होने की समस्या हो सकती है. जिसके कारण बार बार आंख से पानी आता है. डॉ. नरेंद्र कुमार कहते हैं कि यदि आंखों से बार बार पानी आ रहा है तो आपको डॉक्टर से जांच करवानी चाहिए. इसके लिए घरेलू नुस्खे या लापरवाही आंखों के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं।

हम नहीं देख पाए, वो अब भी गा रहे थे

प्रियंका सौरभ

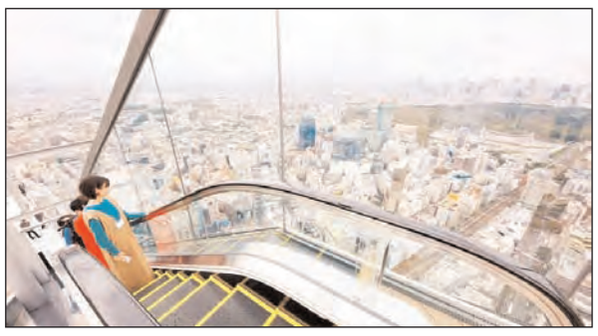

शहर की चमचमाती सड़कों, ऊंची इमारतों और बंद खिड़कियों के पीछे जब हम जीवन को व्यस्तताओं की कैद में जी रहे होते हैं, तब कहीं दूर गांवों की बाल्कनियों में जीवन अब भी खुले आकाश के नीचे साँस ले रहा होता है। वहां सुबहें अब भी चिड़ियों की चहचहाहट से शुरू होती हैं, दोपहरें कोयल की तान से सजी होती हैं, और रातें उल्लुओं की टेर में गूंजती हैं। यह लेख उन्हीं स्मृतियों और अनुभवों की यात्रा है – एक गांव की बाल्कनी में बैठकर महसूस की गई उस दुनिया की, जो कभी हमारी थी, लेकिन जिसे हमने शहर के शोर में कहीं खो दिया। जब मैं हाल ही में गांव आई, तो एक शाम अपनी बाल्कनी में बैठी थी। अचानक एक चिड़िया ने ध्यान खींचा। वो जानी-पहचानी सी लगी – भूरे और सफेद रंग की, फुतीर्ली और बेहद चंचल। उसे देखते ही जैसे मन के किसी कोने से आवाज आई – "धौर्रईया!" हाँ, यही तो कहते थे हम बच्चे जब नानी के घर आया करते थे। गर्मियों की छुट्टियों में जब पूरा कुनबा गांव में इकट्ठा होता, तो आंगन में बैठकर हम सब बच्चे इन्हीं चिड़ियों के पीछे भागते, उन्हें दाना डालते, और उनके नामों पर बहस करते। "ये गौरैया नहीं, धौर्रईया है," मेरा चचेरा भाई अकड़कर कहता। शहर में रहते हुए पक्षियों की पहचान ही सीमित हो जाती है। कौए, कबूतर, तोते और कभी-कभार गौरैया – बस यही दिखाई देते हैं। लेकिन यहां गांव में जैसे किसी भूली-बिसरी किताब के पन्ने फिर से खुल गए हों। मेरी बाल्कनी के सामने ही एक पेड़ है, जिस पर सुबह-सुबह मैना और बुलबुल आती हैं। दूर खेतों में मोर नाचते हैं, और उनकी कूक जैसे किसी पारंपरिक संगीत का हिस्सा हो। नीलकंठ की एक झलक भी दिखती है, और वो नीला रंग आंखों को ताजगी देता है। टिटहरी की टिट-टिट, जलमुर्गी की फुर्ती, कोयल की कुहू-कुहू, और तितर की दौड़ – ये सब मिलकर एक ऐसी सजीव दुनिया रचते हैं जिसे शहरों में हमने कभी ठीक से जाना ही नहीं। शहरों की भीड़ में रहते हुए हम जैसे संवेदना शून्य होते चले जाते हैं। वहां सुबह मोबाइल अलार्म से होती है, यहां मुर्गे की बांग से। वहां हवा एसी की होती है, यहां आम के पेड़ की। वहां आसमान धुंध से भरा होता है, यहां पक्षियों की उड़ान से। रात के सन्नाटे में जब गांव में दो उल्लू नियमित रूप से आकर एक पुराने नीम के पेड़ पर बैठते हैं, तो एक अलग ही एहसास होता है। शहर में उल्लू शब्द एक अपमान या अंधविश्वास से जुड़ा होता है, लेकिन यहां वो जैसे रात के शिक्षक हों – प्रकृति का संतुलन बनाए रखने वाले मौन प्रहरी। जब मैंने अपनी नानी से पूछा कि इस चिड़िया को धौर्रईया ही कहते थे न, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया, "हाँ बिटिया, यही तो है। अब ये शहरों में कहां दिखती है। तुम लोग ही कहां रहते हो वहां, जो देख पाओगे।" इस बात ने भीतर तक झकझोर दिया। क्या सचमुच ये पक्षी विलुप्त हो रहे हैं, या हम ही उन जगहों से विलुप्त हो गए हैं जहां जीवन और प्रकृति एकसाथ सांस लेते हैं? गांव की यह बाल्कनी एक खिड़की बन गई थी – केवल बाहर देखने की नहीं, बल्कि अपने भीतर झांकने की। मुझे याद आने लगीं नानी की कहानियाँ, वो दोपहरें जब पेड़ की छांव में बैठकर चिड़ियों के घोंसलों को निहारा करते थे, वो मटर के खेत जिनमें तीतर भागते थे, और वो पोखर जहां जलमुर्गियाँ अपने बच्चों के साथ तैरती थीं। हमारी पीढ़ी ने मोबाइल की स्क्रीन पर बर्ड इमोजी तो देखी, लेकिन उनके असली रंग नहीं। हमने गूगल पर बर्ड कॉल्स सुने, लेकिन कभी खुले आसमान के नीचे बैठकर चिड़ियों की सुबह की सभा नहीं देखी। गांव आकर यह एहसास हुआ कि हमारी भागदौड़ में हमने वो सब पीछे छोड़ दिया है, जिसे देखकर हमारी आत्मा मुस्कुराया करती थी। पक्षी केवल उड़ने वाले प्राणी नहीं हैं, वो हमारे अतीत के हिस्से हैं। हमारे लोकगीतों, कहानियों, और भावनाओं में बसे हुए साथी हैं। "कागा सब तन खाइयो, चून-चून खइयो मांस" – कबीर के इस दोहे से लेकर मीराबाई की कोयल और तुलसी की चातक तक, हर पक्षी हमारी संस्कृति का अनिवार्य हिस्सा रहा है।

मुझे याद है जब पहली बार शहर आई थी, तो सोचती थी कि वहां की चकाचौंध ही जीवन का लक्ष्य है। लेकिन अब समझ में आता है कि रोशनी जरूरी है, पर हर रोशनी सूरज नहीं होती। कुछ रोशनियाँ ऐसी भी होती हैं जो आंखों को चौंधिया देती हैं, पर मन को अंधेरा कर देती हैं।

गांव की इस बाल्कनी में बैठे-बैठे एक नन्ही सी चिड़िया बार-बार आती है, कुछ पल बैठती है, फिर उड़ जाती है। उसे देखकर लगता है जैसे वो मेरी स्मृतियों में पंख लगा रही हो। हर बार जब वो उड़ती है, एक पुरानी याद हवा में तैर जाती है।

हम प्रकृति से जितना दूर होते जा रहे हैं, उतना ही खालीपन हमारे भीतर बढ़ता जा रहा है। मानसिक स्वास्थ्य से लेकर सामाजिक दूरी तक, आधुनिक जीवन के संकटों का एक बहुत बड़ा कारण यह भी है कि हम जमीन से, पेड़ों से, पक्षियों से और अपने मूल से कटते जा रहे हैं।

ट्रम्प को नहीं मिली कोई सफलता

- अंजन रॉय

अपने घोषित लक्ष्यों की किसी भी स्पष्ट उपलब्धि से वंचित अमेरिकी राष्ट्रपति ने बार-बार भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम को अपने श्रेय के रूप में लिया। उन्होंने बार-बार दावा किया कि यह उनके व्यापार के उपयोग के कारण था जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम हुआ। इस दावे को भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बार-बार खारिज किया है।

इस साल 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रम्प ने दूसरी बार संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी, तब से एक सौ तीस दिन बीत चुके हैं। शुरूआती दिनों में बड़ी उम्मीदें जगाने के बाद, अति सक्रिय राष्ट्रपति अब धीरे-धीरे इस तथ्य को स्वीकार कर रहे हैं कि वे एक बड़ी विफलता हैं। ट्रम्प हमेशा पीछे हटते हैं। यह एक ऐसा लेबल है जिसे चीनी नेटिजेंस ने उनके लिए गढ़ा था क्योंकि वे टैरिफ पर चीन के साथ लड़ाई से डरते थे। ट्रम्प ने चीनी वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ को 145प्रतिशत तक बढ़ा दिया था और बातचीत शुरू होने से पहले ही चरणों में इसे 30प्रतिशत तक कम कर दिया था।

चीनियों ने ट्रम्प की रियायतों को टैरिफ युद्ध में चीन के साथ उलझने के उनके डर के रूप में वर्णित किया। इसके तुरंत बाद प्रसिद्ध वॉल स्ट्रीट में उनके अपने देशवासियों ने उन्हें टैको(ट्रम्प ऑलवेजचिकन्स आऊट) ट्रेड की उपाधि दी, जिसका संदर्भ टैरिफ पर उनके तेजी से बदलते रुख के आधार पर अमेरिकी शेयर बाजारों में होने वाले उतार-चढ़ाव से था। जब एक रिपोर्टर ने ओवल ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीधे अमेरिकी राष्ट्रपति से यह सवाल पूछा, तो वह स्पष्ट रूप से गलत ढंग से पेश आये। उन्होंने इसे सबसे घटिया सवाल बताया और उसे फिर कभी इसे न उठाने के लिए कहा। उन्हें यह साबित करने में बहुत मेहनत करनी पड़ी कि वे कायर नहीं हैं।

लेकिन अब सर्वव्यापी बैज का खंडन करने के उनके प्रयासों से, ट्रम्प अब एक मुखर व्यक्ति साबित हुए हैं, जो अपने वायदों के लायक नहीं हैं और वे जिन मुद्दों को उठा रहे थे, उन पर सख्त रुख अपनाने की बात कर रहे हैं। चाहे वह यह दावा हो कि वे सत्ता में आने पर एक दिन में यूक्रेन युद्ध को रोक देंगे। या फिर अमेरिकी संघीय खर्च और बजट घाटे को कम करने के उनके दावे हों- सभी मामलों में, ट्रम्प को धोखेबाज कहा गया है।ट्रम्प के सबसे करीबी सहयोगी, एलन मस्क, जिन्हें उन्होंने सरकारी दक्षता के लिए विभाग का प्रमुख नियुक्त किया था - तथाकथित डोज (डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एक्सपेंडिचर) - ने बुधवार को अपने कदम पीछे खींच लिए और वास्तव में उन्होंने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने संघीय खर्च में कटौती करने में ट्रम्प की विफलता की सार्वजनिक रूप से आलोचना की। वास्तव में, मस्क को एक टीवी साक्षात्कार में स्पष्ट रूप से यह कहते हुए सुना गया था कि सैन्य और रक्षा में संघीय खर्च में भारी कर कटौती और बड़ी बढ़ोतरी को मंजूरी देने के लिए बहुचर्चित बड़ा और सुंदर विधेयक वास्तव में डोनाल्ड ट्रम्प के पहले के वायदों से मुकरना था। इस विधेयक से अमेरिकी संघीय घाटे में 3.8 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि होगी। यह उनके द्वारा वायदा किये गये कमी लाने के स्थान पर अमेरिकी सरकार के घाटे में एक बहुत बड़ी उछाल है। मस्क ने विडंबनापूर्ण रूप से बताया है कि यह विधेयक या तो बड़ा हो सकता है या सुंदर, यह दोनों नहीं हो सकता, जो ट्रम्प के वर्णन के बिल्कुल विपरीत है। मस्क वस्तुतः यह कह रहे हैं कि ट्रम्प अमेरिकी राजकोषीय उलझन के अपने वायदे किये गये बड़े टिकट सुधारों से पीछे हट रहे हैं। शेक्सपियर के शब्दों का उपयोग करते हुए, डोनाल्ड ट्रम्प के लिए उन्होंने कहा यह सबसे निर्दयी कटौती है।

यूक्रेन युद्ध के मामले में, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के उकसावे के

स्विट्जरलैंड ने की रूस-यूक्रेन शांति वार्ता की मेजबानी की पेशकश

एजेंसी

बर्न। स्विट्जरलैंड ने संकेत दिया है कि वह रूस और यूक्रेन के बीच शांति वार्ता की मेजबानी करने को तैयार है। स्विस विदेश मंत्री इग्नाजियो कैसिस ने बर्न में एक कूटनीतिक सम्मेलन के दौरान कहा कि यदि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इन वार्ताओं में शामिल होते हैं तो स्विट्जरलैंड इसके लिए विशेष इंतजाम करेगा। कैसिस ने स्विस प्रसारक एसआरएफ से बातचीत में कहा, हम इसके लिए तैयार हैं और हमारे प्रति दिखाए गए भरोसे के लिए आभारी हैं। हमने हमेशा अपनी तत्परता जताई है, लेकिन यह सब बड़ी शक्तियों की इच्छा पर निर्भर करेगा। स्विस विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि पुतिन के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) के वारंट को देखते हुए सरकार ने कानूनी स्थिति की समीक्षा कर ली है। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि ऐसी बैठक सुचारु रूप से कैसे आयोजित करनी है। हमारी विशेष भूमिका और जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय होने के कारण हम यह कर सकते हैं। स्विस विदेश मंत्रालय ने रूसी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती से भी कहा कि यदि सभी पक्षों की इच्छा और जरूरत हो तो स्विट्जरलैंड अपनी सेवाएं प्रदान करने के लिए तैयार है, जिसमें मेजबान या मध्यस्थ की भूमिका निभाना भी शामिल है।

अमेरिका में होगी सैन्य योजनाकारों की बैठक, यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी पर होगा विचार

लंदन। यूक्रेन को लेकर बनी कोएलिशन ऑफ द विलिंग की वर्चुअल बैठक में भाग लेने वाले देशों ने सुरक्षा गारंटी और रूस पर संभावित नए प्रतिबंधों पर चर्चा की। बैठक की सह-अध्यक्षता ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कार्यालय ने जानकारी दी कि सदस्य देशों ने सहमति जताई कि उनकी योजना टीमें आने वाले दिनों में अमेरिकी प्रतिनिधियों से मिलेंगी, ताकि यूक्रेन को मजबूत सुरक्षा गारंटी देने और यदि युद्ध थमता है तो एक रीअश्योरेन्स फोर्स (भरोसा दिलाने वाली सेना) की तैनाती योजना पर काम आगे बढ़ाया जा सके। प्रवक्ता ने बताया कि नेताओं ने इस पर भी विचार किया कि पुतिन पर और अधिक दबाव कैसे डाला जा सकता है, जिसमें नए आर्थिक प्रतिबंध भी शामिल हो सकते हैं, ताकि रूस अपनी अवैध आक्रमणकारी कार्रवाई को समाप्त करने के लिए तैयार हो। इस बैठक में 30 से अधिक अंतरराष्ट्रीय नेताओं ने भाग लिया। वहीं, यूक्रेन और उसके यूरोपीय सहयोगियों का मनोबल उस समय और बढ़ा, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को आश्वस्त किया कि किसी भी शांति समझौते में अमेरिका यूक्रेन की सुरक्षा की गारंटी देने में मदद करेगा। हालांकि इस मदद की प्रकृति और सीमा अभी स्पष्ट नहीं है।

लॉस एंजिल्स की 'केटामाइन क्वीन' पांच संघीय आरोपों में दोष स्वीकार करने को तैयार

वाशिंगटन। ब्रिटिश और अमेरिकी नागरिक लॉस एंजिल्स की 'केटामाइन क्वीन' जसवीन संघा ने पांच संघीय आरोपों में दोष स्वीकार करने पर सहमति जताई है। इसमें महत्वपूर्ण आरोप हॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मैथ्यू पेरी को केटामाइन की खुराक बेचना भी शामिल है। 28 अक्टूबर 2023 को मैथ्यू पेरी (54) का केटामाइन की अत्यधिक मात्रा का सेवन करने से निधन हो गया था। केटामाइन का प्रयोग चिकित्सक और पशु चिकित्सक बेहोशी की दवा के रूप में करते हैं। मैथ्यू पेरी को केटामाइन बेचने के केस में संघा मुख्य आरोपी हैं। एबीसी न्यूज ने अमेरिकी न्याय विभाग के अधिकारियों के हवाले से बताया कि 42 वर्षीय संघा नशीले पदार्थों से संबंधित परिसर के रखरखाव के एक और केटामाइन के वितरण के चार मामलों में दोष स्वीकार करने पर सहमत हो गई है। पेरी की मृत्यु के मामले में संघा से पहले चार अन्य आरोपित भी दोष स्वीकार कर चुके हैं। उनके वकील मार्क गेरागोस ने एक बयान में कहा, वह अपने किए की जिम्मेदारी ले रही है। संघा की गिरफ्तारी अभिनेता पेरी की मृत्यु के लगभग एक साल बाद अगस्त, 2024 में हुई थी। तब से वह हिरासत में है। न्याय विभाग के अनुसार, उसे हर मामले में दशकों तक जेल में रखने की सजा हो सकती है।

स्पेन के प्रधानमंत्री ने जंगल की आग पर नागरिक सुरक्षा आपातकाल की घोषणा की

मैड्रिड । स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने कहा है कि जंगल में लगी आग को देखते हुए उनकी सरकार नागरिक सुरक्षा आपातकाल की घोषणा करने जा रही है। सांचेज़ ने यह घोषणा दक्षिण-पश्चिम स्पेन के कैसरेस में अग्निशमन नियंत्रण केंद्र के दौरे के दौरान की। कैसरेस, गैलिसिया और कैस्टिला-लियोन के उत्तर-पश्चिमी हिस्से सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में शामिल हैं। सिचुएशन को आपदा बताते हुए सांचेज़ ने कहा कि सरकार मदद करेगी। इसमें आग से नुकसान झेलने वालों को मुआवजा भी दिया जाएगा। यूरोपीय वन अग्नि सूचना प्रणाली के अनुसार, 2025 में अब तक स्पेन में 3.82 लाख हेक्टेयर से ज्यादा जमीन जल चुकी है। हैरानी की बात यह है कि इसमें से 3 लाख हेक्टेयर से ज्यादा इलाका सिर्फ पिछले दो हफ्तों में ही राख हो गया। क्षेत्रीय आपातकालीन सेवाओं के अनुसार, इस महीने अब तक 4 लोगों की मौत हुई है और 30,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सांचेज़ ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से निपटना बहुत जरूरी है और यही इस संकट की मुख्य वजह है।

पाकिस्तान के कराची में बरसात से भारी तबाही, 10 लोगों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद (पाकिस्तान)। पाकिस्तान के प्रमुख बंदरगाह शहर कराची में बारिश ने भारी तबाही मचाई। सिंध सरकार ने स्थिति की गंभीरता को देखते लोगों से आज कामकाज बंद रखने की अपील की है। भारी बारिश के कारण सारा शहर बाढ़ की चपेट में है।घरों में पानी भर गया है। बिजली के करंट का झटका लगने, डूबने और दीवारें गिरने की घटनाओं में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई है। जियो न्यूज चैनल के अनुसार, अभी भी कई इलाकों में बिजली गुल है। इस दौरान इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बाधित रहीं। गुलशन-ए-हदीद में सबसे ज्यादा 170 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। अभी भी कामकाजी और अन्य लोग मलीर सहित कई इलाकों में कई फीट पानी भर जाने के कारण फंसे हुए हैं। बाशिंदों को यह स्थिति 2022 की विनाशकारी बारिश की याद दिलाती है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के

अनुसार, पाकिस्तान का दक्षिणी हिस्सा मानसून की सबसे भीषण बारिश से तबाह हो गया। बारिश ने महानगर कराची में भारी तबाही मचाई है। सभी प्रमुख सड़कें और अंडरपास जलमग्न है और जनजीवन अस्त-व्यस्त है। दिन के पहले पहर शुरू हुई बारिश सूर्यास्त तक थोड़े समय के लिए, रुक-रुक कर जारी रही। बरसात से कराची का पहले से जर्जर बुनियादी ढांचा चरमरा गया। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने आज प्रांत के सरकारी, अर्ध-सरकारी, स्वायत्त और निजी संस्थानों के लिए सार्वजनिक अवकाश की घोषणा की। उन्होंने स्कूलों को भी बंद रखने का आदेश जारी किया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने फोन पर उनसे बातचीत कर हालात का जायजा लिया। बलोचिस्तान के 15 जिलों में हो रही बरसातः प्रांतीय आपदा अधिकारी मोहम्मद यूनिस ने बताया कि बलोचिस्तान के 15 जिलों में भी बारिश हो रही है और प्रांत को सिंध से जोड़ने वाला मुख्य राजमार्ग भारी वाहनों के लिए बंद कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि दो जिलों में 40 से 50 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। पूर्वानुमान और चेतावनीः पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग ने आने वाले दिनों में सिंध और बलोचिस्तान के कुछ हिस्सों में मूसलाधार बारिश का अनुमान जताया है। f

इजराइल के हमले में हमास कमांडर शमाला और आतंकी नज्जर मारे गए

एजेंसी

तेल अवीव (इजराइल)। गाजा पट्टी में युद्धरत इजराइली सुरक्षा बलों (आईडीएफ) ने आतंकवादी समूह हमास के कमांडर मोहम्मद नाइफ अबू शमाला को मार गिराया। वह हमास की नुखबा कंपनी का कमांडर था। आईडीएफ ने एक्स पर शमाला के फोटो के साथ एक पोस्ट में कहा कि हमास आतंकी मोहम्मद नाइफ अबू शमाला सात अक्टूबर, 2023 के नरसंहार के दौरान मारास पोस्ट से भाग गया था। गाजा पट्टी में युद्ध के दौरान शमाला ने आईडीएफ सैनिकों के खिलाफ कई हमले किए। एक अन्य पोस्ट में आईडीएफ ने कहा कि सुरक्षा बलों ने हमास आतंकवादी जिहाद कमाल सलीम नज्जर को ढेर कर दिया। नज्जर सात अक्टूबर के नरसंहार के दौरान इजराइली नागरिक यार्डेन बिबास के अपहरण में शामिल था। उसे 10 अगस्त को मार गिराया गया। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार की खबर के अनुसार सुरक्षा

सूत्रों ने बताया कि लगभग 60 हजार इजराइली रिजर्व सैनिकों को बुधवार से गाजा शहर में हमास के खिलाफ हमले के लिए आदेश मिलने वाले हैं। अगर गाजा शहर में हमला जारी रहता है, तो यह सैनिक इस अभियान के दौरान लगभग 1,30,000 इजराइली सैनिकों के साथ तैनात रहेंगे।

बलोचिस्तान में पाकिस्तान की संघीय सरकार समर्थित चार लोगों की हत्या

एजेंसी

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोचिस्तान प्रांत के पंजगुर में पाकिस्तान की संघीय समर्थित समूह पर सशस्त्र हमले में चार लोगों की मौत हो गई। यह हमला सोमवार देररात पंजगुर के सोडों इलाके में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक घर पर किया। हमले में एक व्यक्ति घायल भी हो गया। द बलोचिस्तान पोस्ट ने स्थानीय सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। द बलोचिस्तान पोस्ट के अनुसार, मृतकों की पहचान गुलाम सरवर के बेटे इस्लाम और निजाम (दोनों गेचक, सोडों निवासी), हबीबुल्लाह पुत्र शाह मोहम्मद (ग्रेशा, खुजदार निवासी) और अली अहमद (क्वेटा निवासी) के रूप में हुई है। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि मारे गए लोग पाकिस्तान की संघीय समर्थक समर्थित सशस्त्र समूह से जुड़े थे। ऐसे लोगों को इलाके में डेथ स्क्वाड कहा जाता है।इन समूहों पर जबरन गायब करने, राजनीतिक और सामाजिक

कार्यकर्ताओं की हत्या करने, मादक पदार्थों की तस्करी व फिरौती के लिए अपहरण जैसी आपराधिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है। इस हमले की अभी तक किसी भी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, अतीत में ऐसी घटनाओं की जिम्मेदारी अक्सर बलोच स्वतंत्रता समर्थक सशस्त्र समूहों ने ली है। बलोचिस्तान में आजादी समर्थकों की आवाज को दबाने के लिए पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर सुरक्षा बलों की तैनाती की है।

यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी के प्रयासों के बीच अमेरिकी शीर्ष जनरल डैन केन ने यूरोपीय रक्षा प्रमुखों से मुलाकात की

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के शीर्ष जनरल ने यहां यूरोपीय रक्षा प्रमुखों से मुलाकात की है। एक रक्षा अधिकारी के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के शीर्ष सैन्य सलाहकार जनरल डैन केन ने मंगलवार शाम अपने समकक्ष यूरोप के कई सैन्य प्रमुखों से मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई जब ट्रंप ने संकेत दिया कि यूक्रेन में नाटो के नेतृत्व वाली एक शांति सेना हो सकती है।

एबीसी न्यूज के अनुसार, समझा जा रहा है कि यूरोपीय रक्षा प्रमुखों के साथ केन की चर्चा में जर्मनी, ब्रिटेन, फ्रांस, फिनलैंड और इटली के उनके समकक्ष शामिल रहे। बताया गया है कि नाटो के सैन्य प्रमुखों के बीच बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चर्चा होनी है। इस ऑनलाइन चर्चा का नेतृत्व जनरल एलेक्सस ग्रिंकेविच करेंगे। ग्रिंकेविच यूरोप में अमेरिका के शीर्ष कमांडर हैं और नाटो के वरिष्ठ सैन्य कमांडर के रूप में कार्यरत हैं। केन भी इसमें शामिल होंगे। इस बीच व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने राष्ट्रपति

ट्रंप के इस बयान को दोहराया कि यूक्रेन में कोई भी अमेरिकी थल सैनिक तैनात नहीं किया जाएगा, लेकिन अमेरिका सुरक्षा गारंटी के समन्वय में मदद करेगा। लेविट ने कहा, राष्ट्रपति समझते हैं कि स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा गारंटी बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा टीम को यूरोप में मित्रों के साथ समन्वय करने और यूक्रेन व रूस के साथ भी इन मामलों पर सहयोग और चर्चा जारी रखने का निर्देश दिया है।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की से मिलने के लिए सहमत हो गए हैं। यूरोपीय नेताओं ने भी व्हाइट हाउस की बैठक के एक दिन बाद बातचीत की है। इस चर्चा में यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने की दिशा में ठोस प्रगति के कुछ ही संकेत मिले। इस बीच, रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने किसी बैठक की प्रतिबद्धता से परहेज किया। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच किसी भी संभावित शिखर सम्मेलन की अत्यंत सावधानी से तैयारी की जानी चाहिए।

नेपाल में आईवीएफ क्लिनिक के संचालन पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई अंतरिम रोक, सेरोगेसी पर भी पाबंदी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल में इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) और सरोगेसी प्रथाओं पर देश की सबसे बड़ी अदालत ने अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने इस मामले में।अंतिम फैसला नहीं आने तक देश के सभी आईवीएफ क्लिनिक को बंद करने और सेरोगेसी पर भी रोक लगा दी है। कोर्ट में दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट की एकल खंडपीठ ने यह अंतरिम आदेश दिया है। जस्टिस टेक प्रसाद दुंगाना की एक एकल पीठ ने निःसंतान दंपतियों के लिए चलाए जा रहे आईवीएफ क्लिनिक के संचालन पर रोक लगा दी है। सर्वोच्च अदालत ने अपने फैसले में संबंधित अधिकारियों से कहा है कि वे महिलाओं के डिंब संग्रह, भंडारण और प्रत्यारोपण की अनुमति तब तक न दें जब तक कि रिट को अंतिम रूप नहीं दिया जाता। इसी तरह, अदालत ने सेरोगेसी की चल रही प्रथा की प्रभावी सरकारी

निगरानी को लेकर सरकार को 15 दिनों के भीतर हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। अधिवक्ता अंकिता त्रिपाठी कोर्ट में एक रिट दायर की थी जिसमें तर्क दिया गया है कि आईवीएफ क्लीनिकों की बढ़ती संख्या के बावजूद, शुक्राणु और अंडा दान, भ्रूण उपयोग और सरोगेसी जैसे संवेदनशील मुद्दों की निगरानी करने के लिए कोई व्यापक कानून नहीं है। इस रिट में यह भी कहा गया था कि एक ही दाता का उपयोग करने वाले कई क्लीनिकों, सहमति के बिना आनुवंशिक सामग्री का उपयोग और सरोगेसी को निरंतर बढ़ावा देता है। सुप्रीम कोर्ट के द्वारा सेरोगेसी को लेकर पहले भी आदेश जारी किया जा चुका है जिसमें सरोगेसी को एक व्यापार के रूप में निषिद्ध किया गया है। अधिवक्ता त्रिपाठी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के अंतरिम आदेश में बांझपन प्रबंधन सेवाओं पर स्वास्थ्य और जनसंख्या मंत्रालय के नए शुरू किए गए दिशा-निर्देश अपर्याप्त बताते हुए ठोस कानून बनाए की तरफ ध्यानाकर्षण किया है। हाल ही में नेपाल सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने आईवीएफ क्लिनिक के संचालन को लेकर एक दिशा-निर्देश जारी करते हुए 20 से 35 वर्ष उम्र के पुरुष और महिलो को अंडानुनौर शुक्राणु का दान करने की छूट दी थी। इस कानून की आड़ में कम उम्र की लड़कियों और लड़कों को पैसे का लालच देकर डिंब और शुक्राणु दान का व्यापार होने की आशंका को लेकर रिट दायर की गई थी।

ट्रम्प ने यूक्रेन में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती की संभावना से किया इनकार, यूरोप को सुरक्षा का 'अग्रिम भार' उठाने को कहा

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि यूक्रेन में संभावित शांति समझौते को लागू करने के लिए अमेरिका अपने सैनिक नहीं भेजेगा। हालांकि, उन्होंने कहा कि यूरोपीय देशों को सुरक्षा व्यवस्था में अग्रणी भूमिका निभानी होगी और अमेरिका अन्य तरीकों से कीव की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सहयोग करेगा। फॉक्स न्यूज़ को दिए एक साक्षात्कार में जब ट्रंप से पूछा गया कि क्या भविष्य में अमेरिकी सैनिक यूक्रेन की सीमाओं की रक्षा करेंगे, तो उन्होंने कहा, आपके पास मेरी गारंटी है, और मैं राष्ट्रपति हूं। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि ट्रंप अमेरिकी सैनिकों को न भेजने के पक्ष में दृढ़ हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा गारंटी को लेकर बातचीत जारी है और अमेरिका अपने यूरोपीय सहयोगियों तथा यूक्रेन के साथ मिलकर ऐसे विकल्पों पर विचार कर रहा है जिससे रूस को आक्रमण करने से रोका जा सके। इस दौरान ट्रंप ने दोहराया कि उनके कार्यकाल में यूक्रेन नाटो का हिस्सा नहीं बनेगा, लेकिन फिर भी उसे सुरक्षा गारंटी दी जाएगी। उन्होंने संकेत दिया कि इस दिशा में फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन जैसे यूरोपीय देश अपनी सैनिक तैनाती या संसाधन उपलब्ध कराने पर विचार कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि रूस की आक्रामकता से निपटने में यूरोप ही पहली रक्षा पंक्ति है, और अमेरिका सहयोगी भूमिका में रहेगा।

अपने खिलाफ महाभियोग के प्रयास के बीच अमेरिका में रहीं डिप्टी स्पीकर ने कहा- हिम्मत है तो जेल में डालो

एजेंसी

काठमांडू। काठमांडू में जिस समय सत्तारूढ़ गठबंधन के सांसद डिप्टी स्पीकर इंदिरा राना मगर के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव पर हस्ताक्षर कर रहे थे उस समय स्वयं वो आधिकारिक भ्रमण पर अमेरिका में नेपाल का प्रतिनिधित्व करते हुए एक सम्मेलन में सहभागी थीं।

महाभियोग के प्रस्ताव लाने की जानकारी के बाद उन्होंने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यदि मेरी कोई गलती है तो मुझे आज सजा मिलनी चाहिए लेकिन दो तिहाई का दंभ दिखाकर सरकार जिस तरह से महाभियोग का प्रस्ताव ला रही है, वह कार्य अशोभनीय है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार की हिम्मत है तो उन्हें जेल में डाले, वो सजा भुगतने को तैयार है। अपने फेसबुक पेज पर प्रतिक्रिया देते हुए

इंदिरा राना मगर ने कहा कि इस समय मैं सरकार की अनुमति से ही नेपाल सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए अमेरिका में एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में शिरकत करने आई हूं। ऐसे समय काठमांडू में मेरे खिलाफ महाभियोग के प्रस्ताव से न सिर्फ मेरी छवि खराब हुई बल्कि देश की साख भी गिरी है। राना मगर ने लिखा है कि कम से कम सरकारी दौरे से वापस आने के बाद यह फैसला करना चाहिए था।

डिप्टी स्पीकर ने कहा कि उनपर सत्तारूढ़ गठबंधन की तरफ से जो आरोप लगाया गया है, वह बिलकुल बेबुनियाद है, इस बारे में सरकार की जांच में कुछ नहीं मिला। उनका कहना है कि इसी मामले में मेरे खिलाफ पहले भी महाभियोग का प्रस्ताव लाने का प्रयास किया गया था जिसे सत्तारूढ़ घटक दल के ही द्वारा विरोध करने के बाद वापस लेना पड़ा था। डिप्टी स्पीकर राना मगर ने बताया कि सत्तारूढ़ दल के नेता द शेखर कोइराला ने उनसे फोन पर बात करते हुए उन्हें भरोसा दिलाया कि उनके विदेश में रहते सरकार के द्वारा लाया जा रहा महाभियोग का प्रस्ताव का वह विरोध करेंगे और उन्हें समझाने का प्रयास करेंगे कि यह सही नहीं। डिप्टी स्पीकर ने कहा कि अगर सरकार को लगता है कि उनकी गलती है तो उनके खिलाफ फिर से जांच करवाए और दोषी पाए जाने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि यदि सरकार में हिम्मत है तो उन्हें जेल में डाल सकती है लेकिन वो अपना पद आसानी से नहीं छोड़ने वाली हैं।

जापान देगा यूक्रेन को सुरक्षा गारंटी में सहयोग, पीएम इशिबा का बयान

एजेंसी

टोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने कहा कि उनका देश यूक्रेन की सुरक्षा गारंटी में भाग लेने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने इस सहयोग की प्रकृति और दायरे पर फिलहाल कोई स्पष्ट जानकारी साझा नहीं की। इशिबा ने अपने कार्यालय में पत्रकारों से कहा, हम यह गहराई से चर्चा करेंगे कि हमारे देश को कानून और क्षमताओं के दृष्टिकोण से क्या करना चाहिए और क्या करना संभव है। उसी आधार पर हम उपयुक्त भूमिका निभाएंगे।÷ उन्होंने दोहराया कि जापान अभी उस चरण में नहीं है जहां समर्थन के सटीक स्वरूप को बताया जा सके। जापान नाटो का औपचारिक सदस्य नहीं है, लेकिन उसके साथ निकट सहयोग करता है। इशिबा का यह बयान इस बात का संकेत है कि पश्चिमी देश रूस के भविष्य में किसी भी आक्रामक कदम

की स्थिति में यूक्रेन को बचाने के लिए व्यापक ढांचा तैयार कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूरोपीय नेताओं की बातचीत के बाद सुरक्षा गारंटी पर चर्चा तेज हुई। इसमें यूक्रेन के लिए शांति समझौते के बाद शांति-रक्षक बल (पीस-कीपिंग फोर्स) तैनात करने की संभावनाएं भी शामिल हैं। नाटो महासचिव मार्क रुटे ने कहा है कि 30 देश, जिनमें जापान भी शामिल है, एक ऐसा ढांचा तैयार करने पर काम कर रहे हैं जिससे युद्धविराम या पूर्ण शांति समझौते के बाद यूक्रेन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

यूक्रेन को क्षेत्रीय समझौते पर चर्चा के लिए तैयार होना चाहिए, न कि नाटो में शामिल होने के लिएः स्लोवाक प्रधानमंत्री

एजेंसी

ब्रातिस्लावा। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने कहा है कि यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने की बुनियादी शर्त यह है कि यूक्रेन नाटो का सदस्य न बने। उन्होंने यूरोपीय परिषद की बैठक के बाद जारी एक वीडियो संदेश में यह टिप्पणी की। फिको ने कहा कि बिना क्षेत्रीय बदलावों पर चर्चा किए युद्ध में प्रगति संभव नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया, संघर्ष समाप्त करने की पहली बुनियादी शर्त यह समझ है कि यूक्रेन नाटो का सदस्य नहीं बन सकता। उतना ही महत्वपूर्ण यह तथ्य है कि क्षेत्रीय बदलावों पर बातचीत के बिना कोई प्रगति संभव नहीं होगी।

उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें निराशा है कि यूरोपीय संघ को शांति का रास्ता दिखाने के लिए डोनाल्ड ट्रंप का इंतजार करना पड़ा। फिको ने अमेरिकी राष्ट्रपति की पहल को व्यक्तिगत बड़ी सफलता बताया। स्लोवाक प्रधानमंत्री ने 100 अरब यूरो मूल्य के सैन्य उपकरण खरीदने और उन्हें यूक्रेन भेजने के यूरोपीय प्रस्ताव को एक मजाक करार दिया। उन्होंने कहा कि वे कल्पना भी नहीं कर सकते कि स्लोवाकिया अमेरिकी हथियार खरीदे और फिर उन्हें मुफ्त में यूक्रेन भेजे।

मैक्रों ने कहा-जेलेंस्की से मिलने को तैयार पुतिन, बैठक यूरोप में रखने की वकालत

एजेंसी

वाशिंगटन। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के साथ यूक्रेन और रूस के बीच शांति वार्ता के लिए हुई बैठक के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आखिरकार यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की से मिलने को तैयार हो गए हैं। वाशिंगटन शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने फोन पर पुतिन से बात की। इस वार्ता में पुतिन ने कहा कि वह अगले दो हफ्तों में जेलेंस्की से मिलने के लिए तैयार हैं। वाशिंगटन शिखर सम्मेलन के तत्काल बाद फ्रांसीसी समाचार चैनल एलसीआई के साथ साक्षात्कार में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने यह दावा किया। उन्होंने कहा कि 24 फरवरी, 2022 को रूसी आक्रमण के बाद दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात होगी। मैक्रों ने कहा कि हम सबने दोनों राष्ट्रपतियों के बीच एक द्विपक्षीय बैठक, इसके बाद त्रिपक्षीय बैठक (इसमें डोनाल्ड ट्रंप होंगे) और आखिर में बहुपक्षीय बैठक करने का फैसला लिया है। इस बैठक में यूरोपीय देशों के नेता

भी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि यह बैठक यूरोप में होगी। मैक्रों ने कहा कि 2019 में जेलेंस्की और पुतिन की बैठक फ्रांस में हुई थी। इस बार बैठक किसी तटस्थ देश में आयोजित की जाएगी। उन्होंने वकालत की कि बैठक जिनेवा (स्विट्जरलैंड) में हो। फ्रांस के राष्ट्रपति ने कहा कि जेलेंस्की से पुतिन की मुलाकात किसी ऐसे देश में हो जो अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय को मान्यता देता हो तो और बेहतर होगा। शांति को आगे बढ़ाने के लिए यह जरूरी है। इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि यह समझौता जल्दबाजी में नहीं होना चाहिए। यूक्रेन न्यायसंगत मांगों को स्वीकार करेगा। वह शांति के लिए अगर आत्मसमर्पण करता है, तो यह यूक्रेन और यूरोपीय देशों के लिए दुखद होगा। इससे परमाणु-सशस्त्र शक्ति हमारी सीमाओं के करीब आकर आगे बढ़ेगी। इसका मतलब होगा पिछले 70 वर्षों में बनी अंतरराष्ट्रीय भौगोलिक व्यवस्था का पतन। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन शिखर सम्मेलन में चर्चा का एक और प्रमुख मुद्दा शांति समझौते के बाद यूक्रेन को दी जाने वाली सुरक्षा गारंटी का रहा। हम सबने इस पर सहमति जताई है। इस पर अमेरिका और ब्रिटेन का रुख अहम होगा। मैक्रों ने कहा कि सुरक्षा गारंटी का मतलब यह नहीं कि यूक्रेन को नाटो का संरक्षण प्राप्त होगा। ट्रंप चाहते हैं कि यूक्रेन यह जिद छोड़ दे। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर रूस ने शांति समझौते के बाद यूरोप की सीमाओं पर उकसावे की कार्रवाई की तो प्रतिक्रिया होगी। उन्होंने माना कि आज रूस यूरोपीय देशों के लिए खतरा बना हुआ है।

केंद्र ने एमएसएमई क्षेत्र के संवर्धन और विकास के लिए कई कदम उठाए : शोभा करंदलाजे

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के संवर्धन और विकास के लिए कई कदम उठाए हैं।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के तहत सेवा क्षेत्र के लिए 20 लाख रुपये की राशि आवंटित की गई है, जिससे इस योजना का दायरा बढ़ गया है। केंद्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। करंदलाजे ने सदन को बताया कि एमएसएमई मंत्रालय ने कारोबार में आसानी के लिए एमएसएमई के लिए उद्यम पंजीकरण 1 जुलाई, 2020 से प्रभावी है। खुदरा और थोक व्यापारियों को 02 जुलाई, 2021 से एमएसएमई के रूप में शामिल करना शामिल है। करंदलाजे ने बताया कि अनौपचारिक सूक्ष्म उद्यमों (आईएमई) को प्राथमिकता क्षेत्र ऋण (पीएसएल) के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए औपचारिक दायरे में लाने हेतु उद्यम सहायता प्लेटफॉर्म (यूएपी) का शुभारंभ किया गया। एमएसई के लिए 2 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऋण की सुविधा प्रदान करने और रोजगार के अवसरों का विस्तार करने हेतु 9,000 करोड़ रुपये की आवश्यक धनराशि के साथ ऋण गारंटी योजना का पुनर्गठन किया गया। उन्होंने सदन को बताया कि 18 व्यवसायों में लगे पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को संपूर्ण लाभ प्रदान करने के लिए 17 सितंबर, 2023 को 'पीएम विश्वकर्मा' योजना का शुभारंभ हुआ।

मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, 1,168 अंक तक उछला सेंसेक्स

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लाल किले से किए गए जीएसटी सुधारों के ऐलान और भारत की क्रेडिट रेटिंग बढ़ने की पॉजिटिव खबर के कारण शेयर बाजार में आज लगातार उत्साह का माहौल बना रहा। हालांकि शुरुआती तेजी के बाद बाजार में कुछ देर के लिए मुनाफा वसूली का दबाव भी बना, इसके बावजूद सेंसेक्स और निफ्टी लगातार बढ़त के साथ ही कारोबार करते रहे। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स 1168.11 अंक तक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी 390.70 अंक तक की छलांग लगाई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 676.09 अंक यानी 0.84 प्रतिशत और निफ्टी 245.65 अंक यानी एक प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, एफएमसीजी, रियल्टी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। इसी तरह बैंकिंग, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर आईटी, एनर्जी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स एक प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.39 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

वित्त मंत्री जीएसटी में प्रस्तावित सुधारों को लेकर मंत्री समूह की बैठक को करेंगी संबोधित

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में प्रस्तावित सुधारों को लेकर बुधवार को राज्यों के मंत्रियों के समूह की एक बैठक को संबोधित करेंगी। इन सुधारों के तहत जीएसटी दरों में कटौती होगी और आम इस्तेमाल की वस्तुओं की कीमतों में कमी आएगी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि केंद्र सरकार अमेरिकी टैरिफ का जवाब देने के लिए जीएसटी में बड़ा बदलाव लाने की तैयारी में है। इसे 'जीएसटी 2.0 या नेक्स्ट जेन जीएसटी' नाम दिया गया है। इसके तहत केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्?यक्षता में बुधवार, 20 अगस्त को राज्यों के मंत्रियों के एक समूह की अहम बैठक होगी। नई दिल्ली में 20-21 अगस्त को होने वाली राज्य मंत्रिस्तरीय समिति की दो दिवसीय इस बैठक में इस पर चर्चा की जाएगी। वित्त मंत्री इस बैठक में व्यापक जीएसटी सुधारों के लिए तर्क देंगी, जिससे जीएसटी की कर दरों में कटौती होगी और आम उपयोग की वस्तुओं की कीमतों में कमी आएगी। इस बैठक में उन प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया जाएगा, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा हाल ही में घोषित अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों घोषणा की गई थी।

क्लीन मैक्स एनवायरो ने आईपीओ के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

नई दिल्ली। क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से धन जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। पूंजी बाजार नियामक सेबी के समक्ष जमा दस्तावेज के मुताबिक क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस का 1 रुपये अंकित मूल्य वाला यह आईपीओ में 1,500 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी करने और प्रमोटरों, निवेशकों के द्वारा शेयरधारकों को बेचने के लिए 3,700 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण है। देश की सबसे बड़ी वाणिज्यिक और औद्योगिक नवीकरणीय ऊर्जा प्रदाता कंपनी क्लीन मैक्स एनवायरो एनर्जी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड की इस पेशकश में संस्थापक कुलदीप प्रताप जैन द्वारा 321.37 करोड़ रुपये, बीजीटीएफ वन होल्डिंग्स (डीआईएफसी) लिमिटेड द्वारा 1,970.83 करोड़ रुपये, केम्पिनक एलएलपी द्वारा 225.61 करोड़ रुपये, ऑगमेंट इंडिया आई होल्डिंग्स एलएलसी द्वारा 991.94 करोड़ रुपये और डीएसडीजी होल्डिंग्स एपीएस द्वारा 190.25 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री शामिल है।

स्टॉक मार्केट में कमजोर लिस्टिंग के बाद ब्लूस्टोन ज्वेलरी ने बनाई बढ़त

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्लूस्टोन ब्रांड के तहत गोल्ड, डायमंड, प्लेटिनम और जड़ाऊ ज्वैलरी बनाने वाली कंपनी ब्लूस्टोन ज्वैलरी के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। हालांकि लिस्टिंग के बाद हुई लिवाली की वजह से आईपीओ निवेशक फिलहाल फायदे में पहुंच गए हैं। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 517 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी लिस्टिंग 508.80 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 510 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह स्टॉक मार्केट में एंट्री करने के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब एक प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा। कमजोर लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर घाटे से उबर कर फायदे में पहुंच गए। सुबर 11 बजे तक कारोबार होने के बाद ब्लूस्टोन ज्वेलरी के शेयर 528.40 रुपये के स्तर पर कारोबार

कर रहे थे। इस तरह अभी तक कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 11.65 रुपये यानी 2.25 प्रतिशत का मुनाफ हो चुका है। ब्लूस्टोन ज्वेलरी का 1,540.65 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 से 13 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.72 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 4.25 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.57 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 820 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 1 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,39,39,063 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार कमजोर बनी हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 167.24 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 142.24 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। हालांकि 2024-25 में कंपनी का नुकसान बढ़ कर 221.84 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 52 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 1,830.04 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

आईएफएससी गिफ्ट सिटी से 409 कंपनियों का हो रहा संचालनः सीतारमण

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद को बताया कि 31 जुलाई तक गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक सिटी यानी इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर (जीआईएफटी आईएफएससी) में 409 कंपनियां कार्यरत हैं। इसके अलावा, बैंकिंग, परिसंपत्ति प्रबंधन और अन्य वित्तीय पारिस्थितिकी प्रणालियों को जीआईएफटी आईएफएससी में शामिल और सक्षम किया गया हैकेंदीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में कहा, 1 अक्टूबर, 2020 से 31 जुलाई, 2025 के बीच ऐसी कंपनियों की संख्या 82 से बढ़कर 409 हो गई है। उन्होंने सदन को बताया कि पिछले पांच वर्षों में सरकार ने गिफ्ट आईएफएससी के विकास के लिए कई प्रगतिशील नीतिगत उपाय किए हैं, जिसमें भारत में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्रों (आईएफएससी) के विकास और विनियमन के लिए एक एकीकृत वैधानिक नियामक के रूप में अंतरराष्?ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) की स्थापना शामिल है। सीतारमण ने अपने जवाब में कहा कि गिफ्ट आईएफएससी में कारोबार को और अधिक सुगम बनाने के लिए सरकार ने विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) अधिनियम, 2005 के तहत विकास आयुक्त की शक्तियां अंतरराष?ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) को सौंप दी हैं। इसके साथ ही आईएफएससी इकाइयों के लिए एकल खिड़की आईटी प्रणाली (एसडब्ल्यूआईटीएस) शुरू करने में सहायता की है। वित्त मंत्री ने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि कोविड-19 के बाद सरकार ने ऋण को वित्त वर्ष 2020-21 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 61.4 फीसदी से घटाकर बजट अनुमान 2025-26 में जीडीपी के 56.1 फीसदी तक समेकित कर दिया है।

कोल इंडिया ने कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) के साथ कोलकाता में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। दोनों कंपनियों के बीच यह गैर-बाध्यकारी समझौता रेल अवसंरचना परियोजनाओं का विकास करने के लिए किया गया है। शेयर बाजार को मंगलवार को दी गई जानकारी में बताया गया कि इस समझौता ज्ञापन पर सीआईएल के निदेशक (तकनीकी) अच्युत घटक और केआरसीएल के निदेशक (वित्त) राजेश भड़ंग ने सीआईएल अध्यक्ष पीएम प्रसाद और दोनों संगठनों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। कंपनी ने कहा कि कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों के लिए रेल अवसंरचना परियोजनाओं के

विकास और रखरखाव के लिए कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (केआरसीएल) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की गई है। यह समझौता कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों के लिए कोयला परिवहन में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। घरेलू कोयला उत्पादन में 80 फीसदी से अधिक का योगदान देने वाली सीआईएल कोयला परिवहन में सुधार के लिए अपने रेल बुनियादी ढांचे को सक्रिय रूप से मजबूत कर रही है। कोयला खनन कंपनी सीआईएल ने इससे पहले इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ भी समझौता किया था।

सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट जारी, चांदी की कीमत में मामूली उछाल

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में गिरावट नजर आ रही है। आज सोना 400 रुपये से लेकर 430 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज 100 रुपये प्रति किलोग्राम की मामूली तेजी दर्ज की गई है। कीमत में गिरावट आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,750 रुपये से लेकर 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 92,350 रुपये से लेकर 92,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,17,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,750 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,900 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट आई है।

स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री से आइकोडेक्स ने किया निराश, लिस्टिंग के बाद बिकवाली के कारण लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। एकेडमिक कंटेंट और रिसर्च पेपर के लिए सॉफ्टवेयर सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी आइकोडेक्स पब्लिशिंग सॉल्यूशंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त नुकसान के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 102 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 81.60 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर फिसल कर 77.55 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 23.97 प्रतिशत का नुकसान हो गया। आइकोडेक्स पब्लिशिंग सॉल्यूशंस का 42.03 करोड़ रुपये का आईपीओ 11 से 13 अगस्त के

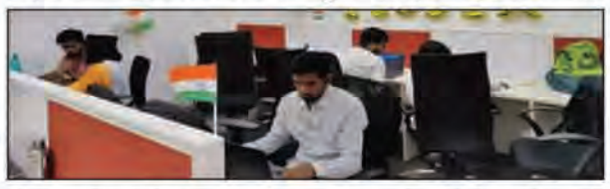

बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 3.95 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 33.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.58 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 4.67 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 34.64 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 7,24,800 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने लिए नया ऑफिस स्पेस खरीदने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 1.81 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 4.40 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 8.96 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 50 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 22.08 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि इस दौरान कंपनी पर कर्ज भी लगातार बढ़ा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में कंपनी का कर्ज 2 लाख रुपये, वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में 88 लाख रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में कंपनी का कर्ज 2.99 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

स्टॉक मार्केट में एएनबी मेटल कास्ट की जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। हाई क्वालिटी एल्यूमिनियम प्रोडक्ट बनाने वाली कंपनी एएनबी मेटल कास्ट के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 156 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 5.13 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 164 रुपये के स्तर पर हुई। प्रीमियम लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर उछल कर 172.20 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गए और उसी स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 10.38 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।

एएनबी मेटल कास्ट का 130 करोड़ रुपये का आईपीओ 8 से 12 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.22 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.04 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 4.29 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.39 गुना सब्सक्राइब हुआ इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 32 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी मौजूदा मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी का प्रस्तावित विस्तार करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

डॉलर की तुलना में मजबूत हुआ रुपया, 21 पैसे की तेजी के साथ बंद हुई भारतीय मुद्रा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की क्रेडिट रेटिंग बढ़ने, कच्चे तेल की कीमत में गिरावट आने और देश में आर्थिक सुधारों की गति तेज होने की संभावना का असर आज भारत के मुद्रा बाजार में साफ नजर आया। मुद्रा बाजार में बने सकारात्मक माहौल और घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की लिवाली के कारण रुपया आज डॉलर की तुलना में मजबूत होकर बंद हुआ। भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 21 पैसे उछल कर 87.35 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय मुद्रा 87.56 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन

एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 10 पैसे की बढ़त के साथ 87.46 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के कुछ देर बाद के लिए रुपया मामूली फिसलन के साथ 87.48 के स्तर तक भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद बाजार में बने सकारात्मक माहौल के कारण रुपया 24 पैसे की तेजी के साथ 87.32 के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 21 पैसे की उछाल के साथ 87.35 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। फॉरेक्स मार्केट के एक्सपर्ट और टीएनवी फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ तारकेश्वर नाथ वैष्णव का मानना है कि एसएंडपी द्वारा भारत की क्रेडिट रेटिंग में सुधार करने की वजह से विदेशी निवेशकों का भारतीय बाजार के प्रति भरोसा बढ़ा है। इसकी वजह से देश में लॉन्ग टर्म और शॉर्ट टर्म दोनों तरह के विदेशी निवेश में तेजी आने की संभावना बन गई है। इसका असर आज स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों की लिवाली के रूप में भी नजर आया, जिसके कारण मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक भी बढ़ गई। इसके साथ कच्चे तेल की कीमत में आई गिरावट ने भी आज रुपये को सपोर्ट दिया। यही वजह है कि आज पूरे दिन रुपया अन्य विदेशी मुद्राओं की तुलना में मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आया।

भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने से कोई भी ताकत नहीं रोक सकतीः गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार भारत को तेजी से विकसित राष्ट्र बनाने के लिए परिवर्तन के अगले 100 दिनों के एजेंडे पर काम कर रही है। भारत दुनिया के सबसे लोकप्रिय उपभोक्ता बाजार और शीर्ष निवेश स्थल के रूप में उभर रहा है। उन?होंने कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने से नहीं रोक सकती।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन आयोजित एक वैश्विक आर्थिक सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनका मंत्रालय देश की आर्थिक वृद्धि को और तेज करने के लिए बदलाव के अगले 100 दिवसीय एजेंडा पर काम कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार कारोबार सुगमता और जीवन सुगमता को बढ़ावा देने के लिए कदम उठा रही है।अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगले 100 दिनों में सरकार 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए आह्वान का पालन करेगी, जिसमें भारत को तीव्र गति से आगे ले जाने की बात कही गई है।

उन्होंने कहा कि इसमें 2047 तक एक विकसित राष्ट्र के दृष्टिकोण को लागू करने, घोषित किए गए 'पंच प्रणों' का पालन करने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया है कि प्रत्येक नागरिक 2047 तक भारत को एक समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनाने का दायित्व अपने ऊपर ले। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रयास से 140 करोड़ भारतीय एक टीम एक परिवार के रूप में एकजुट होकर औपनिवेशिक मानसिकता को मिटाएंगे, भारत के समृद्ध इतिहास, संस्कृति और परंपरा का सम्मान करेंगे। इसके साथ ही राष्ट्र की एकता और अखंडता पर ध्यान केंद्रित करेंगे। गोयल ने कहा, आज सुबह एक बैठक में हमने सामूहिक रूप से संकल्प लिया है कि भारत को तेज गति से आगे ले जाने और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के दृष्टिकोण को लागू करेंगे।

स्टार इमेजिंग की स्टॉक मार्केट में सपाट लिस्टिंग, पहले दिन ही आईपीओ निवेशकों को 3.06 प्रतिशत का नुकसान

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में डायग्नॉस्टिक्स और इमेजिंग नेटवर्क चलाने वाली कंपनी स्टार इमेजिंग एंड पैथ लैब के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में सपाट स्तर पर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। सपाट लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में ये शेयर अपने इश्यू प्राइस से भी नीचे जाकर बंद हुआ। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 142 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 142 रुपये के स्तर पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से कंपनी के शेयर 134.90 रुपये के स्तर तक गिर गए। हालांकि आखिरी वक्त में हुई मामूली खरीदारी के कारण स्टार इमेजिंग के शेयर निचले स्तर से मामूली रिकवरी करके 137.65 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 4.35 रुपये यानी 3.06 प्रतिशत का नुकसान हो गया। स्टार इमेजिंग एंड पैथ लैब का 69.47 करोड़ रुपये का आईपीओ 8 से 12 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.67 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

स्टॉक मार्केट में मेडीस्टेप हेल्थकेयर की जोरदार एंट्री, लिस्टिंग के बाद बिकवाली के दबाव में लगा लोअर सर्किट

एजेंसी

नई दिल्ली। सर्जिकल प्रोडक्ट्स, सैनेटरी पैड्स, एनर्जी पाउडर जैसी चीजें बनाने वाली कंपनी मेडीस्टेप हेल्थकेयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। हालांकि ये खुशी ज्यादा देर तक टिक नहीं सकी। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण कंपनी के शेयरों पर लोअर सर्किट लग गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 43 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 23.26 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 53 रुपये के स्तर पर हुई। जोरदार लिस्टिंग के बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो जाने के कारण कुछ ही देर में कंपनी के शेयर फिसल कर 50.35 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर पहुंच गए। पहले दिन के कारोबार में ही लोअर सर्किट लगने के बावजूद शानदार लिस्टिंग के कारण कंपनी के आईपीओ निवेशक अभी भी 17.09 प्रतिशत के मुनाफे में हैं। मेडीस्टेप हेल्थकेयर का

16.10 करोड़ रुपये का आईपीओ 8 से 12 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 382.14 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 461.11 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 37.44 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी की खरीदारी करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 92 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 3.33 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 4.14 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 33 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 49.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी पर कर्ज की मात्रा में उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 के आखिरी में कंपनी पर 53 लाख रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2023-24 के आखिरी में घट कर 33 लाख रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 के आखिरी में बढ़ कर 64 लाख रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

रीम शेख

को है एल्विश यादव से प्यार? वायरल वीडियो पर खुलकर बोलीं, बताई रिश्ते की सच्चाई

टीवी की दुनिया में कई ऐसे सितारे हैं, जिनके नाम एक-दूसरे से जोड़कर उनके रिश्तों पर बात होती है. उनमें से रीम शेख और एल्विश यादव का नाम भी शामिल है. जब से दोनों ने 'लाफ्टर शेफ 2' में साथ काम किया है तब से उनके रिश्ते पर बातें खूब हो रही हैं. असल में रीम और एल्विश एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं या नहीं इसके बारे में साफतौर पर कोई नहीं जानता, लेकिन एक्ट्रेस ने अब एक इंटरव्यू के जरिए सबकुछ साफ कर दिया है.

लगभग एक महीने पहले एक्ट्रेस रीम शेख ने पिंकविला के यूट्यूब चैनल हिंदी रश को एक इंटरव्यू दिया था. जिसमें रीम ने अपने करियर में आने वाले अप्स एंड डाउन पर बात की. साथ ही उनसे जब एल्विश यादव को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने उस अफवाह के पीछे की सच्चाई बताई. आइए आपको बताते हैं कि रीम शेख ने एल्विश यादव को लेकर क्या कहा था ?

एल्विश यादव संग रिश्ते पर क्या बोलीं थीं रीम शेख ?

इंटरव्यू में रीम शेख से पूछा गया, 'एल्विश यादव के साथ आपके रिश्ते की बात सोशल मीडिया पर फैली हुई है, इसपर आप कुछ कहेंगी ?' ये सवाल सुनते ही रीम शेख ने कहा, 'आप लोग क्या कहानियां बनाते हो.' इसपर रीम से कहा गया, 'आपकी एक रील है एल्विश यादव के साथ, जिसमें आप बैठी हैं और वो आपसे हाथ मिलाते हैं, वहीं आप शर्माती हैं. उसे फ्रेम बनाकर बताया गया कि आप दोनों रिलेशन में हैं.'

इसके बाद रीम शेख ने कहा था, 'वो जो हाथ मिलाने वाली रील थी, जिसके बारे में आपने बताया. उसके वायरल होने के दो-तीन दिन बाद मेरे जहन में एक शायरी आई. क्योंकि मुझे ना शायरी पढ़ने का शौक है तो मैंने उसे एक वीडियो के जरिए पढ़ा. वीडियो अच्छी बन गई तो मैंने उसे पोस्ट कर दिया. उस शायरी में था कि 'अगली बार मिलो तो हाथ मत मिलाना क्योंकि तुम थाम नहीं पाओगे और हम छोड़ नहीं पाएंगे.'

जब मैंने वो वीडियो पोस्ट किया तो लोगों ने उस हाथ मिलाने वाले वीडियो के साथ इस शायरी वाले वीडियो को जोड़ दिया. मैं कमेंट्स जाकर पढ़ने लगी तो लोगों ने अलग ही चीजों को बताया कि मेरा एल्विश का सीन है या कई ऐसी बातें, जिनका दूर-दूर तक कोई वास्ता भी नहीं. मैं कमेंट पढ़ने गई कि लोग कहेंगे कि कितना अच्छा नरेट किया या कितने अच्छे से पढ़ा, लेकिन वहां तो कुछ और ही चल रहा था.'

101 रुपए मिलते हैं...बेबी डॉल गाने वाली कनिका कपूर का चौंकाने वाला खुलासा, बताया बॉलीवुड का काला सच

कहा जाता है कि बॉलीवुड इंडस्ट्री दूर से जितनी ग्लैमरस लगती है अंदर से उतनी ही खोकली है. कितने राज इस इंडस्ट्री में दबे हैं जो अब सोशल मीडिया के दौर में धीरे-धीरे कर सामने आ रहे हैं. मीटू मोमेंट के दौरान कई महिला कलाकारों ने शोषण के खिलाफ आवाज उठाई. इसके बाद धीरे-धीरे इंडस्ट्री के और भी ऐसे सच निकलकर सामने आने लगे जिसने सभी को हैरान कर दिया. अब बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर ने बॉलीवुड इंडस्ट्री पर निशाना साधा है और कुछ चौंकाने वाले खुलासे किए हैं. सिंगर ने बताया है कि बॉलीवुड में कलाकारों को कैसे ट्रीट किया जाता है और उन्हें इंडस्ट्री में किन समस्याओं का सामना करना पड़ा है.

101 रुपए मिले...

कनिका कपूर ने हाल ही में उर्फी जावेद के पॉडकास्ट बंक विद उर्फी में शिरकत की. इस दौरान सिंगर ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े स्ट्रगल्स के बारे में खुलकर बातें कीं. उनसे उर्फी जावेद ने पूछा कि आपका एक सॉन्ग काफी वायरल हुआ था लेकिन उस गाने के लिए उन्हें पैसे नहीं दिए गए थे. इसके जवाब में कनिका ने कहा- मुझे नहीं लगता है कि इस इंडस्ट्री में किसी भी सिंगर को किसी गाने के लिए पैसे दिए जाते हैं. अब शायद इंडिपेंडेंट म्यूजिक के लिए मिलता हो लेकिन वे सिंगर्स को पे नहीं करते हैं. गायकों को पैसा नहीं मिलता है. मैं आपको इतने सारे कॉन्ट्रैक्ट्स दिखा सकती हूं जिसमें मुझे 101 रुपए मिले हैं. उसपर भी वे ऐसा करते हैं जैसे वे आपपर एहसान कर रहे हैं.

जब उर्फी ने पूछा कैसे तो कनिका ने कहा- मैं आपको इंडस्ट्री के ग्रेटेस्ट्स सिंगर्स के नाम बता सकती हूं. मुझे नहीं लगता है कि इन कलाकारों को इनके सबसे महान गानों के लिए कोई पैसा मिला होगा. इंडस्ट्री में कोई पब्लिशिंग और रॉयलिटी स्ट्रक्चर नहीं है. इसपर उर्फी ने कहा कि मुझे तो लगता था कि कम से कम लाखों रुपए तो गानों के लिए सिंगर्स को मिलते ही होंगे. तो कनिका ने हामी भरते हुए कहा कि मैं अपनी बात कर रही हूं सबके कॉन्ट्रैक्ट तो मैंने देखे नहीं हैं.

गाए कई हिट सॉन्ग्स

अब सिंगर के इस खुलासे से हर तरफ सनसनी मच गई है. लोग इसपर रिएक्ट करते नजर आ रहे हैं. कनिका कपूर की बात करें तो वे 46 साल की हैं और इंडस्ट्री में काफी समय से सक्रिय हैं. उन्होंने साल 2012 में अपने करियर की शुरुआत की थी. इसके बाद से सिंगर ने चिटिया कलाइयां, देसी लुक, बेबी डॉल, टुकुर टुकुर, सेल्फी और पुष्पा का गाना ओ अंतावा गाया है जो काफी सुपरहिट रहा था.

इस हादसे में चली गई थी काजोल की याददाश्त, डायरेक्टर ने तुरंत लगाया अजय देवगन को फोन

बॉलीवुड सेलेब्स के साथ अक्सर ही अपनी फिल्म की शूटिंग के दौरान ऐसे हादसे हो जाते हैं जिन्हें वो कभी नहीं भूलते हैं. मशहूर अदाकारा काजोल के साथ भी एक बार कुछ ऐसा ही हुआ था. हिंदी सनेमा में 30 साल से ज्यादा का वक्त बिता चुकीं काजोल की एक फिल्म के दौरान याददाश्त तक चली गई थी. इसके बाद पिक्चर के डायरेक्टर करण जौहर ने तुरंत अजय देवगन को फोन मिला दिया था. आइए जानते हैं कि इसके बाद क्या हुआ था ?काजोल ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत साल 1992 की फिल्म 'बेखुदी' से की थी. पहली फिल्म से उन्हें पहचान नहीं मिली. हालांकि इसके बाद आई 'बाजीगर' ने उन्हें स्टार बना दिया था. 90 के दशक में उन्होंने कई सफल फिल्में दीं. इसी दौरान फिल्म 'कुछ कुछ होता है' की शूटिंग के वक्त वो एक हादसे का शिकार हो गई थीं.

शूटिंग के वक्त चली गई काजोल की याददाश्त

ये किस्सा काजोल की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कुछ कुछ होता है' की शूटिंग से जुड़ा है. इसमें काजोल के साथ रानी मुखर्जी और शाहरुख खान जैसे स्टार्स भी लीड रोल में नजर आए थे. इसमें काजोल ने टॉम बॉय अंजली का किरदार निभाया था. फिल्म के गाने 'हाय हाय रे हाय ये लड़का' की शूटिंग के दौरान काजोल एक हादसे का शिकार हो गई थीं.दरअसल एक सीन में एक्ट्रेस को शाहरुख खान के साथ साइकिल चलाते हुए उन्हें छेड़ना था. जब सीन शूट किया जा रहा था तब काजोल साइकिल से नीचे मुंह के बल गिर गईं. इसके बाद वो बेहोश हो गई थीं. इसके बाद जब उन्हें होश आया तो एक्ट्रेस को कुछ भी याद नहीं था. उनकी याददाश्त जा चुकी थी.

करण ने अजय देवगन को लगाया फोन

काजोल की याददाश्त जाने से सेट पर हर कोई हैरान रह गया था. लेकिन, तभी करण ने काजोल के पति और अभिनेता अजय देवगन को तुरंत फोन लगाया. करण की ये तरकीब काम कर गई. काजोल सेट पर किसी को भी नहीं पहचान पा रही थीं. लेकिन, जब उन्होंने फोन पर अजय से बात की तो उनकी याददाश्त धीरे-धीरे वापस आने लगी.

सलमान खान की हीरोइन

जरीन खान

के साथ पवन सिंह करेंगे रोमांस, इस दिन रिलीज होगा भोजपुरी गाना

भोजपुरी सिनेमा के चर्चे अब हर तरफ बढ़ने लगे हैं. साउथ हो या नॉर्थ, हर जगह भोजपुरी गाने अब सुने जाते हैं और पवन सिंह के गाने तो विदेशों तक सुने जाते हैं. हिंदी फिल्मों के कई सितारे अब भोजपुरी फिल्मों और गानों से जुड़ते नजर आ रहे हैं और अब इस लिस्ट में जरीन खान का नाम भी शामिल हो गया है. जरीन खान वही हैं, जो सलमान खान की फिल्म वीर (2010) में नजर आई थीं. अब जरीन को आप पवन सिंह के साथ रोमांस करते देखेंगे.टी-सीरीज ने 'प्यार में हैं हम' गाने की झलक सोशल मीडिया पर दिखाई है. इसमें पवन सिंह के साथ जरीन खान रोमांटिक पोज में नजर आ रही हैं. इंस्टाग्राम पर इसे शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा गया, 'जब आप प्यार में होते हैं तो हर गाना सुनने में ऐसा महसूस कराता है कि वो आपके लिए लिखा गया है. प्यार में हैं हम 20 अगस्त को रिलीज हो रहा है.'

इस गाने में पवन सिंह के साथ पायल देव की आवाज आप सुन पाएंगे. पवन सिंह पायल को अपनी बहन मानते हैं और सोशल मीडिया पर राखी की तस्वीरें भी एक बार शेयर की गई थीं. वहीं पायल के साथ पवन ने इससे पहले कुछ और गाने किए हैं जो सफल रहे. इस गाने को कुणाल वर्मा ने लिखा है, जबकि म्यूजिक पायल देव का ही है. अब पूरा गाना कैसा होगा इसके बारे में 20 अगस्त को पता चलेगा.

कौन हैं जरीन खान ?

38 साल की जरीन खान ने सलमान खान की फिल्म वीर (2010) से बॉलीवुड डेब्यू किया था. ये फिल्म फ्लॉप थी, लेकिन जरीन खान खूब चर्चा में रहीं, क्योंकि उनका फेस कैटरीना कैफ जैसा था और उन्हें कैटरीना का डुप्लीकेट कहा जाने लगा था.इससे कुछ साल पहले ही सलमान ऐश्वर्या राय की हमशक्ल स्नेहा उल्लाल को लेकर आए थे. हमशक्ल का जब इन दोनों हीरोइनों पर टैग लगा तो इनका करियर डाउन हो गया. फिल्म वीर के बाद जरीन खान ने 'हेट स्टोरी 3', '1921', 'अक्सर 2', 'वजह तुम हो', 'हाउसफुल 2' जैसी फिल्में की हैं.

Indo-Canadian वकील सैयद नूर ने मोहम्मद अजहरुद्दीन व अनुराग ठाकुर के साथ संविधान क्लब में किया नशा मुक्त भारत अभियान का नेतृत्व

दिव्य दिल्ली: इंडो-कनैडियन वकील और समाज सुधारक सैयद नूर, संस्थापक एवं अध्यक्ष वेक अप हुमानिटी आगेर्नाइजेशन ने संविधान क्लब ऑफ इंडिया में नशा मुक्त भारत ड्रग फ्री इंडिया अभियान का नेतृत्व किया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में राजनीति, न्यायपालिका, उद्योग और खेल जगत के दिग्गज नेता एकजुट हुए।

इस अभियान को विशेष महत्व मिला जब पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान व सांसद मोहम्मद अजहरुद्दीन और वरिष्ठ सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंच साझा कर युवाओं से नशे के खिलाफ जागरूकता और एकता की अपील की। सैयद नूर ने कहा नशा केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया की चुनौती है। एक इंडो-कनैडियन आवाज के तौर पर भारत के युवाओं के लिए काम करना मेरा दायित्व है। नशा मुक्त भारत राजनीति से ऊपर का विषय है यह परिवारों को बचाने और भविष्य सुरक्षित करने का संकल्प है। मोहम्मद अजहरुद्दीन बोले खेल हमें अनुशासन और आत्मविश्वास सिखाता है। मैं भारत के युवाओं से अपील करता हूँ कि वे नशे से दूर रहें और एक स्वस्थ, सशक्त राष्ट्र के निर्माण में योगदान दें। अनुराग ठाकुर ने कहा यह केवल एक अभियान नहीं बल्कि एक आंदोलन है। हर संस्था और हर नागरिक को इसमें अपनी भूमिका निभानी होगी। इस अवसर पर भारत के अनमोल के संस्थापक डॉ. निजामुद्दीन ने सांस्कृतिक और सामुदायिक रणनीतियों के माध्यम से समाज से नशे के उन्मूलन की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में प्रमुख गणमान्य अथितियों में शामिल मोहम्मद अजहरुद्दीन पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान एवं सांसद, अनुराग ठाकुर सांसद लोकसभा एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री, हमदुल्ला सैयदब सांसद, लोकसभा, इमरान मसूद सांसद, लोकसभा, अवधेश यादव सांसद, लोकसभा, मोहिबुल्लाह नदवी सांसद, लोकसभा, मनता मोहंता सांसद, राज्यसभा, प्रभु वसावा सांसद, लोकसभा, संजय सिंह सांसद, राज्यसभा, मोहम्मद असदुद्दीन महासचिव, TPCC, के.सी. त्यागी पूर्व सांसद, राज्यसभा, डॉ. मुकेश सैनी सिविल जज, हरियाणा, दीपक कुमार पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश, पुष्पा लीला पूर्व मंत्री, तेलंगाना, मनोज टिग्गा भाजपा सांसद, पश्चिम बंगाल, अश्विनी जैरा सांसद रामचंद्र के पुत्र, साकेत गर्ग उपाध्यक्ष, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन संवर्धन परिषद, एस.एस. संधू, आईपीएस सलाहकार, जम्मू-कश्मीर सरकार एवं पूर्व डीजीपी, प्रेम राज यादव भाजपा प्रदेश सचिव, तेलंगाना, पुष्पा जी दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष, महिला कांग्रेस, मुद्दित अग्रवाल सदस्य, अक्ठउ, आचार्य लोकेश मुनि जैन आचार्य, सुब्रत बनर्जी लेखक एवं गीतकार, सैयद अजहर व्यवसायी, अमेरिका, सैयद मुस्तफा युवा नेता, कनाडा, आसिफ जानी फिल्म निमार्ता, ललित कुमार अधिवक्ता, अतीक सिद्दीकी वरिष्ठ कांग्रेसी नेता, मोहम्मद सादिक होटल व्यवसायी, सैयद सलीमुद्दीन महासचिव, फामेर्सी फेडरेशन, तेलंगाना, शीबा समाजसेवी, सिंथिया कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष, उढटउ, सुमिता मलिक महासचिव, उढटउ दिल्ली कांग्रेस एवं अध्यक्ष, हलड दिल्ली, ईशान मलिक ब्लॉक अध्यक्ष, कांग्रेस कमेटी, द्वारका बी, दिल्ली, वाजिद रियल एस्टेट व्यवसायी उपस्थित रहे। वेकअप ह्यूमैनिटी, जिसकी स्थापना सैयद नूर ने की, एक वैश्विक सामाजिक एवं मानवीय संगठन है जो समाज की अहम चुनौतियों पर जागरूकता फैलाता है। भारत में इसका प्रमुख अभियान ह्ननशा मुक्त भारतह्व है, जिसका उद्देश्य राजनीति से ऊपर उठकर समाज और नेतृत्व को एकजुट कर युवाओं को नशे के खतरे से बचाना है।

युवक की चाकू से गोदकर हत्या,सीसीटीवी कैमरे में कैद, तीन नाबालिगों को पकड़ा

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के अशोक विहार की घटना, सीसीटीवी कैमरे में तीन लोग मारपीट करते दिखे,दरअसल अशोक विहार के औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार रात (40 वर्षीय) के युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। हालाँकि युवक की पहचान नहीं हो पाई है। वहीं इस मामले में पुलिस ने तीन नाबालिगों को पकड़ा है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार सोमवार रात अशोक विहार थाना पुलिस को औद्योगिक क्षेत्र के बी ब्लॉक में वारदात की जानकारी मिली। मौके पर पहुंची पुलिस युवक को अस्पताल लेकर गई। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पास से कोई दस्तावेज नहीं मिला। जिससे उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई। उत्तर पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया मौके पर छानबीन करने पर पता चला कि मरने वाला युवक भीख मांगकर अपना गुजारा करता था। पुलिस को घटनास्थल पर कोई चश्मदीद नहीं मिला, पुलिस को सीसीटीवी फुटेज मिला है। जिसमें तीन लोगों को मरने वाले से मारपीट करते देखा गया।

दिल्ली में होगा अब तक का सबसे बड़ा पैरा-स्पोर्ट आयोजन, उद्घाटन के लिए पीएम मोदी आमंत्रित

नई दिल्ली। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) की मुख्य संरक्षक वनथी श्रीनिवासन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान वनथी श्रीनिवासन ने पीएम मोदी को वर्ल्ड पैरा चैंपियनशिप 2025 की ओपनिंग सेरेमनी का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया।

वनथी श्रीनिवासन ने कहा, नई दिल्ली में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी सिर्फ खेल तक सीमित नहीं है। यह पैरा-एथलीट्स की अदम्य शक्ति और जज्बे पर प्रकाश डालने का अवसर है, जो साहस और संकल्प की परिभाषा को ही बदल देते हैं। यह आयोजन लाखों लोगों को प्रेरित करेगा, भारत की संगठनात्मक क्षमता को प्रदर्शित करने के साथ अनगिनत भावी चैंपियन के सपनों को पंख देगा। दुनिया पहले कभी न देखी गई समावेशिता और धैर्य की शक्ति की गवाह बनेगी।

भारत में अब तक का सबसे बड़ा पैरा-स्पोर्ट आयोजन कराने की तैयारी चल रही है, जिसमें 104 देशों की ओर से पुष्टि मिल चुकी है। इसमें 2,500 से अधिक पैरा-एथलीट्स और सपोर्ट स्टाफ हिस्सा लेंगे।

यह चैंपियनशिप 27 सितंबर से 5 अक्टूबर 2025 तक नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित होगी। यह आयोजन मानवीय जज्बे और संकल्प को दशार्ता है। यह आयोजन पुरुष, महिला और मिक्स्ड कैटेगरी में कुल 186 पदक स्पधाओं के साथ आयोजित होगा, जिसमें कड़ा मुकाबला, अविस्मरणीय क्षण, धैर्य और जज्बे की प्रेरणादायक कहानियां वैश्विक मंच पर देखने को मिलेंगी। इस टूनार्मेंट के लिए प्रतिभागी दुनियाभर से आ रहे हैं, जिनमें संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, इंग्लैंड, कनाडा, ब्राजील, फ्रांस, स्पेन, जापान, मैक्सिको, तुर्की, पोलैंड, ऑस्ट्रेलिया, चीन और कई अन्य देश शामिल हैं।

हर दिन एक गिलास शुद्ध दूध झ सेहत और ताकत का असली राज

नई दिल्ली। श्री पुनीत कुसुंबिया, वाइस प्रेसिडेंट, मार्केटिंग,हेरिटेज फूड्स बताते हैं कि हेरिटेज फूड्स में हमारा मानना है कि शुद्धता कोई फैशन नहीं, बल्कि एक वादा है। जानिए, शुद्ध दूध क्यों इतना खास है और रोजाना की दिनचर्या में इसे शामिल करना आपके और आपके परिवार के लिए कैसे फायदे का सौदा है। शुद्ध दूध कैल्शियम, प्रोटीन और विटामिन डी का प्राकृतिक स्रोत है। ये तीनों मिलकर हड्डियों को मजबूती, मांसपेशियों को सक्रियता और शरीर को सही पोश्चर देते हैं। चाहे बढ़ते बच्चे हों या उम्रदराज माता-पिता रोजाना एक गिलास दूध सबके लिए ताकत और सहज गतिशीलता का भरोसा देता है। शुगर वाले ड्रिंक या त्वरित ऊर्जा देने वाले विकल्प छोड़ दें। दूध में मौजूद विटामिन बी12 और राइबोफ्लेविन दिमाग को सक्रिय रखते हैं और फोकस बनाए रखते हैं। सुबह का एक गिलास दूध स्कूल, काम या वर्कआउट, हर दिन के लिए स्थायी ऊर्जा और ताजगी देता है। दूध सिर्फ. शरीर नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन को भी सपोर्ट करता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक मैग्नीशियम, बी-विटामिन और विटामिन डी मूड बेहतर बनाने और थकान कम करने में सहायक हैं। व्यस्त दिनचर्या में भी एक गिलास दूध आपको स्थिरता और ताजगी का एहसास देता है। दूध में विटामिन ए, जिंक और सेलेनियम जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं और रोजाना ऊर्जा व ताजगी प्रदान करते हैं। असली दूध अपने आप में पौष्टिक और संतुलित होता है। इसमें स्टार्च, आर्टिफि शियल थिकनर या कृत्रिम फोर्टिफि केशन की जरूरत नहीं होती। जब दूध को फार्म से आपके घर तक पूरी सावधानी से पहुँचाया जाता है, तो यह वही प्राकृतिक और सच्चा पोषण देता है, जैसा प्रकृति ने बनाया है। हेरिटेज फूड्स का वादा है कि हम दूध को पूरी तरह शुद्ध रखेंगे, ताकि आपका परिवार हर दिन इसके प्राकृतिक फायदों का भरोसे के साथ आनंद ले सके।

भारत ने किया अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। भारत ने को अपनी अत्याधुनिक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5ॅ का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण देश की मिसाइल क्षमता में एक बड़ी कामयाबी है। अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण ओडिशा के इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज, चांदीपुर से किया गया। यह परीक्षण स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड की देखरेख में संपन्न हुआ।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस परीक्षण में बैलिस्टिक मिसाइल ने अपने सभी संचालनात्मक व तकनीकी मापदंडों को सफलतापूर्वक सत्यापित किया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इस प्रक्षेपण में अग्नि-5 मिसाइल की मार्गदर्शन प्रणाली, प्रणोदन, चरण विभाजन (स्टेज सेपरेशन), और अंतिम सटीकता (टर्मिनल एक्युरेसी) जैसे सभी पहलुओं को परखा और प्रमाणित किया गया। इस परीक्षण से यह भी सिद्ध हो गया कि भारत की सामरिक सेनाएं कम समय की तैयारी में भी इस मिसाइल को प्रक्षेपित करने में सक्षम हैं।

अग्नि-5 की प्रमुख विशेषताओं की बात करें तो यह मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल है। इसकी मारक क्षमता 5,000 किलोमीटर से भी अधिक है। यानी यह मिसाइल इतनी दूरी तक के लक्ष्य भेदने में सक्षम है। तकनीक की बात करें तो यह आधुनिक नेविगेशन, मार्गदर्शन एवं पुन प्रवेश प्रणाली से लैस है। भारत लगातार अग्नि-5 की क्षमता, तकनीक व मारक क्षमता में इजाफा कर रहा है। यह मिसाइल परमाणु एवं पारंपरिक (नॉन-न्यूक्लियर) दोनों प्रकार के वारहेड ले जाने में सक्षम है।

बड़ी बात यह भी है कि सड़क-गतिशील (रोड-मोबाइल) लॉन्चर से इसका प्रक्षेपण किया जा सकता है। अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल स्वदेशी तकनीक पर आधारित है। यह डीआरडीओ द्वारा विकसित की गई है। अग्नि-5 का सफल परीक्षण भारत की विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध और पहले इस्तेमाल नहीं की घोषित परमाणु नीति के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करता है। विशेषज्ञों के मुताबिक इसकी पहुंच पूरे एशियाई महाद्वीप और यूरोप के कुछ हिस्सों तक है।

उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे सीपी राधाकृष्णन: पीएम मोदी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति पद का चुनाव रोमांचक हो गया है। एनडीए ने सीपी राधाकृष्णन को उम्मीदवार बनाया है, तो वहीं 'इंडिया अलायंस' ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस बी. सुदर्शन रेड्डी पर दांव खेला है। इसी बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीपी राधाकृष्णन की जीत की उम्मीद जताई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वे राधाकृष्णन की प्रशंसा करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राधाकृष्णन एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए के उम्मीदवार राधाकृष्णन की तारीफ करते हुए कहा, मेरे एक बहुत पुराने मित्र हैं और आज मैं उनका परिचय करवा रहा हूं। मेरे लिए भी खुशी है। कितने साल हो गए इस संबंध को, मेरे भी सारे बाल काले थे और राधाकृष्णन के बाल भी काले थे। सर्वोच्च स्थान पर लोकसभा में 'सेंगोल' विराजमान है और वो 'सेंगोल' तमिलनाडु से आया है। अब राज्यसभा में भी सर्वोच्च स्थान पर तमिलनाडु का ही एक बेटा बैठने वाला है। उन्होंने एनडीए उम्मीदवार की तारीफ करते हुए कहा, राधाकृष्णन सामान्य परिवार के व्यक्ति हैं।

पिछड़े समाज से निकले हैं और आज राष्ट्र के इस ऊंचे पद की दिशा में वो गमन कर रहे हैं। खिलाड़ी भी रहे हैं, पर यहां वो खिलाड़ी के कारण नहीं आए हैं। उन्होंने राजनीति में कभी खेल नहीं खेले हैं। पीएम मोदी ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, मुझे पूरा विश्वास है कि थिरु सीपी राधाकृष्णन एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे। मैं उन्हें दशकों से जानता हूं और सेवा के प्रति उनके जुनून को देखा है। बता दें कि उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। प्रधानमंत्री मोदी नामांकन दाखिल करने के दौरान राधाकृष्णन के साथ थे।

लोकसभा में 'ऑनलाइन गेमिंग विधेयक' पास, वैष्णव बोले- हानिकारक प्रभाव रोकना उद्देश्य

लोकसभा में 'ऑनलाइन गेमिंग विधेयक' पास, वैष्णव बोले- हानिकारक प्रभाव रोकना उद्देश्यनई दिल्ली। लोकसभा में 'ऑनलाइन खेल संवर्धन और विनियमन विधेयक- 2025' ध्वनि मत से पारित हो गया है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस बिल का मुख्य उद्देश्य ऑनलाइन गेमिंग के हानिकारक प्रभावों को रोकना, नियंत्रित करना और कम करना है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, आज के युग में डिजिटल टेक्नोलॉजी में ऑनलाइन गेमिंग एक बड़ा सेक्टर बनकर उभरा है। ऑनलाइन गेमिंग के तीन सेगमेंट्स हैं: पहला- ई-स्पोर्ट्स, दूसरा- ऑनलाइन सोशल गेमिंग और तीसरा- ऑनलाइन मनी गेमिंग। इस बिल के माध्यम से ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेमिंग को प्रमोट किया जाएगा और इसको सपोर्ट भी मिलने की उम्मीद है। हमारे द्वारा एक अथॉरिटी बनाई जाएगी, जिसके माध्यम से ई-स्पोर्ट्स और ऑनलाइन सोशल गेमिंग को बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने ऑनलाइन मनी गेमिंग को समाज के लिए हानिकारक बताया। उन्होंने कहा, ऑनलाइन मनी गेमिंग समाज के लिए सही नहीं है। कुछ गेम्स ऐसे हैं, जिनमें परिवार की जिंदगीभर की बचत ऑनलाइन गेम में चली जाती है। एक बार क्रेडिट या डेबिट कार्ड के डिटेल साझा करने पर उसमें से लगातार रुपए कटने की संभावना बनी रहती है।

मधुबन चौक पर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों पर हमला, दो आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने दो ऐसे आरोपियों को गिरफ्तार किया है,जिन्होंने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की,वहीं पुलिस ने हमला करने के आरोप में दो आरोपियों में मोहित और परवीन को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इन दोनों के खिलाफ सरकारी काम में बाधा व मारपीट करने आदि का मामला दर्ज किया गया है। उत्तर-पश्चिम जिले के डीसीपी भीष्म सिंह ने बताया कि यह घटना मंगलवार को मौर्य एन्क्लेव इलाके के मधुबन चौक पर हुई,जब ट्रैफिक कर्मचारियों ने पीतमपुरा निवासी मोहित और परवीन को बिना हेलमेट पहने गलत साइड में स्कूटी चलाते हुए रोका।

उन्होंने बताया कि जब उनसे ड्राइविंग लाइसेंस दिखाने के लिए कहा गया तो दोनों ने ट्रैफिक पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार करते हुए हाथापाई की। उनके तीन-चार साथी भी मौके पर आ गए। उन्होंने भी पुलिसकर्मियों के साथ हाथापाई की। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इन लोगों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला करने के साथ-साथ वर्दी फाड़ दी और एक सिपाही का मोबाइल फोन भी छीन लिया। पुलिस ने मौर्या एन्क्लेव थाने में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर और भी अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

नशेड़ी नशे की लत को पूरा करने के लिए बना बाइक चोर,दिल्ली पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली में नशे की लत को पूरा करने के लिए एक युवक बाइक चोर बन गया। बाइक चोरी करने के बाद आरोपी इन्हें दिल्ली-एनसीआर में बेच देते थे। फिर उनसे मिले पैसों से नशे की लत को पूरा करता था। उत्तरी-पश्चिमी जिला एएटीएस ने आरोपित चोर को पकड़ लिया है। जिसके पास से चोरी की पांच बाइक बरामद की गई है।

पुलिस जांच में पता चला कि आरोपी पहले से सात आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। आरोपी की पहचान जहांगीरपुरी निवासी जिशान के रूप में हुई है। क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए एएटीएस इंस्पेक्टर जितेन्द्र तिवारी के नेतृत्व में एक टीम बनाई गई है। सात अगस्त को गश्त के दौरान टीम को एक गुप्त सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति चोरी की मोटरसाइकिल पर सवार है और चोरी की वारदात को अंजाम दे सकता है। सूचना पर तुरंत कार्रवाई करते जहांगीरपुरी मछली मार्केट के पास जाल बिछाया। पुलिस को देखकर वह भागने का प्रयास करने लगा,तुरंत टीम ने पीछा कर पकड़ लिया।

जांच के दौरान आरोपित की मोटरसाइकिल थाना मुखर्जी नगर क्षेत्र से चोरी की पाई गई। पूछताछ में आरोपी ने कई अन्य बाइक चोरी में अपनी संलिप्तता बताई। आरोपी ने बताया कि वह क्षेत्र में खड़ी मोटरसाइकिल की चोरी की तलाश में घूम रहा था। उसकी निशानदेही पर अन्य चार चोरी की मोटरसाइकिलें भी बरामद की गईं, जो राजौरी गार्डन, स्वरूप नगर और थाना महेन्द्रा पार्क के क्षेत्र से चोरी हुई थीं। आरोपी ने आगे बताया कि वह चोरी की मोटरसाइकिल बेचकर नशे और शराब की लत पूरी करता था। पुलिस इससे पूछताछ कर इसके और भी अन्य साथियों का पता लगाने की कोशिश कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मतदाता सूची में हेरफेर का मामला, रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में जांच की मांग

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट पहुंचा मतदाता सूची में हेरफेर का मामला, रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में जांच की मांगनई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा 2024 के लोकसभा चुनाव में बेंगलुरु सेंट्रल संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में कथित हेरफेर के आरोपों की जांच का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मतदाता सूची में कथित हेरफेर के आरोपों की जांच को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। याचिका में इस मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अध्यक्षता वाली एक समिति से कराने की मांग की गई है। दरअसल, यह याचिका सुप्रीम कोर्ट के वकील रोहित पांडेय ने दायर की है, जिसमें भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए संवैधानिक अधिकारों का हवाला दिया गया है। याचिका में कहा गया है कि बेंगलुरु सेंट्रल संसदीय क्षेत्र की मतदाता सूची में गंभीर अनियमितताएं पाई गई हैं, जो संविधान के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन हैं। याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि एक ही मतदाता के नाम कई निर्वाचन क्षेत्रों में दर्ज पाए गए हैं, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया की पवित्रता को खतरे में डालता है।

भारत को कच्चे तेल का निर्यात स्थिर रहेगा - रूसी राजनयिक

नई दिल्ली। भारत में रूस के उपराजदूत रोमन बाबुश्किन ने को कहा कि वैश्विक प्रतिबंधों और व्यापारिक दबावों के बावजूद भारत को कच्चे तेल का निर्यात स्थिर बना रहेगा। नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास में पत्रकारों से बातचीत में बाबुश्किन ने कहा, वर्तमान परिस्थितियों और बदलते हालात के बावजूद रूस का कच्चे तेल का भारत को निर्यात जारी रहेगा। रूसी तेल का कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि यह बेहद प्रतिस्पर्धी है और उच्च लाभ मार्जिन देता है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच व्यापार हाल के वर्षों में लगभग सात गुना बढ़ा है। रूस हर साल भारत को करीब 250 मिलियन टन तेल आपूर्ति करता है और औसतन पांच प्रतिशत की छूट भी देता है, जो वार्ता के आधार पर तय होती है।

बाबुश्किन ने कहा कि यूरोपीय संघ के 18वें प्रतिबंध पैकेज का भारत के साथ रूस के तेल व्यापार पर कोई असर नहीं पड़ा है। जब उनसे यह पूछा गया कि यदि भारत रूसी तेल आयात बंद कर दे तो क्या होगा, तो उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि ऐसा कभी होगा।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397